



संक्षिप्त समाचार

किशोर का शव पेड़ से लटका मिला

कोशाबी,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कौशाबी जिले के महेवा घाट थाना क्षेत्र में रविवार को एक किशोर का शव बगीचे में पेड़ से लटकता हुआ मिला है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चित्रकूट जनपद के हत्ता गांव निवासी रजनीश पौर (16) काशीपुर गांव स्थित केबीएफ एट भट्टे में मजदूरी करता था। आज उसका शव फांसी के फंदा से पेड़ से लटकता मिला है।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

सहारनपुर,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के चिलकाना क्षेत्र में ग्राम पटनी पिलखनी रोड पर पुलिस जांच के दौरान हुई मुठभेड़ में लूट के मुकदमें में वांछित दो शांतिर अभियुक्तों को घायलवस्था में गिरफ्तार किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने बताया कि पुलिस द्वारा सघन जांच के दौरान कल मुखबिर से मिली सूचना मिली कि थाना चिलकाना क्षेत्र में हुई लूट के वांछित दो अभियुक्तगण पटनी-पिलखनी रोड से सीकरी जाने वाले कच्चे रास्ते पर खड़े है और पुनरु किसी घटना को कारित करने की चिन्ता में हैं।

सुलतानपुर में एक महिला की गला रेतकर हत्या

सुलतानपुर,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के बंधुआ कला थाना क्षेत्र के लंगड़ी गांव में एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। सुलतानपुर जिले की पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने पत्रकारों को बताया कि बंधुआ कला थाना क्षेत्र के लंगड़ी गांव में एक महिला की हत्या की सूचना डायल 112 पर कपिल देव सिंह ने दी और बताया कि उनकी रिश्तेदार विमलेश देवी की किसी ने हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस बल, सीओ सिटी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

प्रयागराज के युवक की सऊदी अरब में हत्या

प्रयागराज,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के रहने वाले एक युवक की सऊदी अरब में एक बंगलादेशी लड़के ने किसी विवाद के बाद ईंट से पीट पीट कर हत्या कर दी है। प्रयागराज का आकाश सरोज (23) इसी साल जनवरी में कमाने के लिए सऊदी अरब के अबू-स्तासा गया था। वह अल-अहसा नखलिस्तान शहर में बकरी चराने का काम करता था, उसके साथ कमरे में बांग्लादेशी युवक रहता था। आरोप है कि विवाद के बाद बांग्लादेशी युवक ने ही ईंट पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी।

भैंस चोरी के मामले में फरार इनामी बदमाश गिरफ्तार

कोशाबी,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कोशाबी जिले की मंझनपुर पुलिस ने शनिवार रात एक मुठभेड़ में भैंस चोरी के मामले में फरार चल रहे 25000 रुपए के एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 30 अप्रैल को बंधवा राजबर गांव के संतोष और भलखा गांव के अर्जुन द्वारा थाने में सूचना दर्ज कराई गई थी कि उनकी भैंसे अज्ञात चोर खोल ले गए हैं। सूचना दर्ज करने के उपरांत बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया।

हिन्दी दैनिक

लखनऊ

वर्ष:- 03, अंक:-325, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.

लखनऊ, सोमवार 11 मई 2026

विकल्प

वर्ष:- 03, अंक:-325, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.

लखनऊ, सोमवार 11 मई 2026

चुनाव से पहले योगी कैबिनेट का विस्तार

भूपेंद्र चौधरी समेत 6 एमएलए ने ली मंत्री पद की शपथ



ब्राह्मण समुदायों को संतुलित प्रतिनिधित्व देकर पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में जातीय समीकरण चुनावी राजनीति में बेहद अहम भूमिका निभाते हैं। इसी वजह से मंत्रिमंडल विस्तार को केवल प्रशासनिक नहीं

देखते हुए किया गया है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि भाजपा प्रदर्शन आधारित राजनीति को आगे बढ़ा रही है। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद महोबा की विधायक आशा मोर्य की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि वर्षों से पार्टी और संगठन के लिए काम करने वाले

तमिलनाडु में अब विजय सरकार, थलपति ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

चेन्नई। टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें सीएम पद की शपथ दिलाई। विजय के शपथ ग्रहण के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कळगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कळगम (एआईएडीएमके) के लगभग छह दशकों का दबदबा खत्म हो गया। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में विजय के अलावा एन. आनंद, आधव अर्जुन, केजी अरुण राज, केए. सेंगोद्रेयन, पी.वेंकटरामन, आर.निर्मलकुमार, राजमोहन, जें.टीके प्रभु और सेल्वी एस. कीर्तना ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय



नेता, फ़िम्बी हस्तियां, पार्टी कार्यकर्ता और हजारों समर्थक शामिल हुए। भारी सुरक्षा व्यवस्था में शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। सबसे आगे की लाइन में विजय के माता-पिता, जाने-माने फ़िम्ममेकर एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के लिए सीटें रिजर्व थीं। एक्टर त्रिशा कृष्ण और उनकी मां को भी उसी

लाइन में सीटें दी गई थीं। टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन को 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु असेंबली में 120 विधायकों का समर्थन मिलने के बाद विजय ने राज्यपाल से मिलकर दावा पेश किया। टीवीके ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी, लेकिन वह बहुमत से पीछे रह गई।

जनता का जीतना है विश्वास, कानून व्यवस्था में होगा सुधार: दिलीप घोष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई निर्णय लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। पश्चिम बंगाल में मंत्री दिलीप घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमारी शांतिमयता बंगाल को एक नए सिरे से प्ति से बनाता है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई वर्षों से डर के साप में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था भी बदहल है और उद्योग या रोजगार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियाँ और भूमिकाएं सौंपी जाएँगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके।

साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत, बंगलुरु में बोले पीएम मोदी

बंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बंगलुरु में एक विशाल जनसभा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज बंगलुरु की धरती से भगवा सूरज उग आया है। एक भाजपा कार्यकर्ता के तौर पर, मैं समझता हूं कि जब हजारों भाजपा कार्यकर्ता इतनी सुबह एक साथ आ सकते हैं, तो आप इसका क्या मतलब होता है। मैं आप सभी का आभारी हूं। बंगाल की जीत आपकी भी जीत है। पीएम मोदी ने कहा, आज 10 मई की ऐतिहासिक तारीख है। 1857 में आज के ही दिन स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी फूटी थी। समय के साथ ये चिंगारी एक बड़ी ज्वाला में बदल गई, जिसने गुलामी की बेड़ियों को जलाकर भस्म कर दिया। उन्होंने कहा कि साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी भावना से प्रेरित होकर, तीन दिन पहले हमने



ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई। कल सुबह, 11 तारीख को, मैं गुजरात के सोमनाथ में रहूँगा, जहां मंदिर के पुनर्निर्माण का उत्सव मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज मैं ऐसे समय में बंगलुरु आया हूं, जब देश में चुनाव परिणामों पर चर्चा चल रही है। पुडुचेरी में लगातार दूसरी बार एनडीए की सरकार बनना, असम में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार

बनना, बंगाल में पहली बार भाजपा को इतना बड़ा आशीर्वाद मिला और अभी-अभी 2 सप्ताह पहले गुजरात के पंचायत और निकाय चुनाव में इतनी भारी विजय मिली कि गुजरात भाजपा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। ये चुनाव परिणाम भारत की राजनीतिक दशा-दिशा के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये भारत के नौजवानों, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग, हर वर्ग का मूड दर्शाते हैं। इन परिणामों का एक बहुत बड़ा संदेश ये भी है कि अस्थिरता में घिरी इस दुनिया में भारत की जनता स्थिरता का मंत्र दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता कह रही है कि हमें स्वीड चाहिए, हमें स्कैम नहीं समाधान चाहिए, हमें राष्ट्र नीति वाली राजनीति चाहिए। आज पूरा देश भाजपा की राष्ट्र नीति के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है।

बंगाल में टीएमसी नेता की हत्या

पार्टी दफ्तर के पास मिला खून से लथपथ शव, परिवार का बीजेपी पर आरोप



कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद राजनीतिक हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला हुगली जिले के गोघाट इलाके से सामने आया है,

जहां तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक स्थानीय नेता का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 40 वर्षीय सहदेव बाग के रूप में हुई है। उनका

शव नकुंडा पंचायत के कोटा गांव स्थित एक स्थानीय टीएमसी कार्यालय के पास नाले से बरामद किया गया। शव पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए।

सहदेव बाग के परिवार ने इस घटना को चुनाव बाद की राजनीतिक हिंसा से जोड़ते हुए हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पत्नी चीना बाग नकुंडा पंचायत से टीएमसी की सदस्य हैं। परिवार का आरोप है कि चुनाव परिणाम आने के बाद से

सहदेव को लगातार धमकियां मिल रही थीं। उनकी पत्नी ने बताया कि शनिवार रात वह घर से बाहर गए थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने उनका शव पार्टी कार्यालय के पीछे पड़ा देखा। परिजनों के अनुसार शव के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे। घटनास्थल के पास से एक भारी लकड़ी का हथियार भी बरामद होने की बात कही जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और

मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फ़िन्हाल पुलिस ने किसी भी राजनीतिक दल का नाम लेकर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि किसी तरह की नई हिंसा को रोका जा सके। सहदेव बाग की मौत के बाद उनके परिवार और समर्थकों में भारी आक्रोश है। गांव में शोक और तनाव दोनों का माहौल बना हुआ है। इसी बीच पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले से भी एक और राजनीतिक हिंसा की खबर सामने आई है। यहां भाजपा के एक कार्यकर्ता का शव सदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ है।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार का बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार रविवार को लखनऊ में संपन्न हुआ। लोकभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में राजनीतिक हलचल के बीच कई नए चेहरों को कैबिनेट में जगह मिली, जबकि कुछ मौजूदा मंत्रियों को प्रमोशन भी दिया गया। इस विस्तार को 2027 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की बड़ी रणनीतिक कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। नए मंत्रियों के रूप में भूपेंद्र चौधरी, कृष्णा पासवान, हंसराज विश्वकर्मा, मनोज पांडे, कैलाश राजपूत और सुरेंद्र दिलेर ने शपथ ली। इनके अलावा सोमेंद्र तोमर और अजीत सिंह पाल को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई

गई, जिन्हें प्रमोशन देकर कैबिनेट स्तर की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार की ओर से किए गए इस फेरबदल में सामाजिक संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। नए मंत्रियों में एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित समाज से आते हैं। इस तरह भाजपा ने जातीय समीकरण साधने की कोशिश की है। यह मंत्रिमंडल विस्तार उस समय हुआ जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले ही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से जनभवन में मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद ही यह स्पष्ट हो गया था कि लंबे समय से प्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार अब होने जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में पिछले कई महीनों से मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, जिन पर अब जाकर विराम लगा है। भाजपा ने इस विस्तार में सामाजिक प्रतिनिधित्व को प्रमुख आधार बनाया है। ओबीसी, दलित और

7 दिन की ईडी रिमांड पर भेजे गए संजीव अरोड़ा, 100 करोड़ जीएसटी घोटाले के आरोप में कल हुई थी गिरफ्तारी



नयी दिल्ली/गुरुग्राम। गुरुग्राम की एक अदालत ने पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को धन शोधन मामले में सात दिन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने अरोड़ा (62) को जीएसटी धोखाधड़ी के एक मामले में उनके रिक्वायर्ड के एक मामले के बाद चंडीगढ़ स्थित उनके सरकारी आवास से शनिवार शाम गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही ईडी ने उनसे जुड़ी कंपनी हेम्टेन स्कॉई रियल्टी लिमिटेड के गुरुग्राम स्थित परिसर

पर छापेमारी की थी। कंपनी ने कहा है कि उसे कानूनी प्रक्रिया पर भरोसा है और वह सभी अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। अरोड़ा को चंडीगढ़ से सड़क मार्ग द्वारा गुरुग्राम लाया गया, जहां धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत ने उन्हें सात दिन की ईडी की हिरासत में भेज दिया। हालांकि, ईडी ने 10 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था। मंत्री के वकील ने बताया कि ईडी ने यह मामला पांच मई को दर्ज किया और नौ मई को गिरफ्तारी हुई। उन्होंने इसे राजनीति से प्रेरित कार्रवाई बताया। ईडी के अनुसार, धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ताजा जांच 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मोबाइल फोन की फर्जी जीएसटी (माल एवं सेवा कर) खरीद और उसके बाद निर्यात के जरिये कथित अवैध धन को दुबई से भारत वापस लाने से जुड़ी है।

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी: मुख्य न्यायाधीश के नाम पर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे फर्जी बयान, एससी कार्यालय ने की कड़ी निंदा



नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के हवाले से झूठे बयान प्रसारित करने वाली मनगढ़ंत सोशल मीडिया पोस्टों की कड़ी निंदा की है और इस कृत्य को दुर्भावनापूर्ण, शरारती और न्यायापालिका में जनता के विश्वास पर हमला बताया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्तमान में प्रसारित हो रही कुछ पोस्टों में मुख्य न्यायाधीश

के नाम से झूठे बयान दिए गए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, विशेष रूप से एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर /अनरिजर्वेदेमरित नामक खाते ने एक मनगढ़ंत ग्राफिक प्रसारित किया है, जिसमें गलत तरीके से एक बयान को मुख्य न्यायाधीश से जोड़ा गया है। गलत तरीके से उद्धृत उद्धरण में कहा गया, अगर एक समाज खुद को आईएएस, आईपीएस, सीजेआई, राष्ट्रपति या पीएम बनकर भी खुद को शांति ही रखना चाहता है, तो इसमें

बंगाल की करारी हार से बदले ममता के तेवर, भाजपा को रोकने के लिए वाम के साथ भी जाने को तैयार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कभी वामपंथ की सबसे बड़ी विरोधी मानी जाने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सुर अब विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद बदलते नजर आ रहे हैं। तुणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने भाजपा को रोकने के इराने से विपक्षी दलों से साथ आने की अपील की है। ममता ने संकेत दिए हैं कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए उन्हें वामदलों और यहां तक कि धुर-वामपंथियों से भी परहेज नहीं है। उनका यह बयान न केवल बंगाल बल्कि देश की राजनीति में एक बड़ी हलचल पैदा कर रहा है। जिस ममता बनर्जी ने तीन दशक पुराने वामपंथी किले को ढहाया था, आज वही उनके साथ मंच साझा करने की बात कह

रही हैं। ममता बनर्जी की राजनीति की नींव ही वामपंथ के विरोध पर टिकी थी। 1970 और 80 के दशक में जब पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा अभेद्य माना जाता था, तब ममता बनर्जी एक आक्रामक युवा नेता के रूप में उभरीं। साल 2006-2008 के दौरान सिंगूर में टाटा नैनो प्लांट के खिलाफभूमि अधिग्रहण आंदोलन और नंदीग्राम में पुलिस फायरिंग की घटनाओं ने ममता बनर्जी को बंगाल की जनमानस का मसीहा बना दिया। उन्होंने शमा, माटी, मानुष्य का नारा दिया, जिसने वामपंथ के उस सर्वहारा वर्ग को अपनी ओर खींच लिया जो कभी माकपा का आधार था। साल 2011 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी ने वह कर दिखाया

एसजीपीजीआई में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग वैबिनार का आयोजन

⇒ साक्ष्य-आधारित नर्सिंग देखभाल पर वैश्विक मंथन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। एसजीपीजीआई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत टेलीमेडिसिन सभागार में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग वैबिनार का आयोजन किया गया जिसमें भारत और विदेशों से लगभग 200 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। नर्सिंग उत्कृष्टता, उन्नत रोगी देखभाल, अनुसंधान-आधारित चिकित्सा पद्धतियों और नर्सों के सशक्तिकरण को समर्पित यह वैबिनार वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों की श्रृंखला का प्रमुख आकर्षण बना। वैबिनार के विभिन्न सत्रों का संचालन मुख्य नर्सिंग ऑफिसर मंजू सिंह, डीएनएस अलका मोहन, अनीता वाल्टर, एएनएस ज्योतिबाला तथा अन्य वरिष्ठ नर्सिंग विशेषज्ञों ने किया। भारत और संयुक्त अरब अमीरात सहित विभिन्न देशों एवं राज्यों से जुड़े प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने साक्ष्य-आधारित नर्सिंग अभ्यास के विविध आयामों पर अपने विचार साझा किए। पश्चिम बंगाल के बर्दाना मेडिकल कॉलेज की प्रो. डॉ. उमा रानी अधिकारी ने नर्सिंग पद्धतियों में साक्ष्य-आधारित रणनीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन



पर प्रकाश डाला। मेरठ के एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज की प्रो. डॉ. बालमोनी बोस ने रोगी सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में ईबीपी की भूमिका को रेखांकित किया। वहीं ओडिशा के बरहामपुर मेडिकल कॉलेज की प्रो. डॉ. राजलक्ष्मी मिश्रा ने साक्ष्य-आधारित नैदानिक नर्सिंग प्रथाओं पर विस्तार से चर्चा की। एसजीपीजीआई कॉलेज ऑफ

नर्सिंग की शबाना खातून ने शोध आधारित निष्कर्षों को रोगी देखभाल में लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोलकाता के नारायणा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल की प्रो. डॉ. शम्पा गुप्ता ने अंतःशिरा दर्द प्रबंधन में आधुनिक साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोणों को साझा किया। कटक मेडिकल कॉलेज की डॉ. अंजना बाला बेहुरा ने ईबीपी को लागू करने में

आने वाली चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विचार रखे। वैज्ञानिक चर्चाओं को और समृद्ध करते हुए कोलकाता की निवेदिता डे ने प्रसूति एवं प्रसव कक्षों में संक्रमण रोकथाम के साक्ष्य-आधारित उपायों पर प्रस्तुति दी। यूपई से जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय अतिथि वक्ता शोरेन शौबा थंबियुराई ने गहन चिकित्सा नर्सिंग में ईबीपी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आलिया

विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल की डॉ. उषा मल्लिक ने नवजात शिशु नर्सिंग देखभाल में वैज्ञानिक पद्धतियों की अहमियत बताई, जबकि एम्स दिल्ली की मीरा प्रजापति ने सर्जिकल साइट संक्रमण की रोकथाम और ऑपरेशन थिएटर प्रबंधन में नर्सिंग की भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया। वैबिनार में ज्ञानवर्धक सत्रों ने नर्सिंग समुदाय को अनुसंधान-आधारित नैदानिक अभ्यास, रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता सुधार के प्रति नई दिशा प्रदान की। विशेषज्ञों ने नर्सों को निरंतर व्यावसायिक विकास, आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान और करुणामय स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वय के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वैबिनार के अंत में जुड़न दाता घोष ने सभी वक्ताओं, आयोजकों, मॉडरेटरों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वीमिंग चैम्पियनशिप में छात्रों जीते 21 पदक



तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। सिटी मान्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर प्रथम कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्रों ने डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग चैम्पियनशिप में 12 गोल्ड मेडल, 2 सिल्वर मेडल एवं 7 ब्राज मेडल समेत कुल 21 पदक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। चैम्पियनशिप का आयोजन लखनऊ डिस्ट्रिक्ट स्वीमिंग एसोसिएशन एवं विजय कुमार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में केडी सिंह बाबू स्टेडियम के तरणताल में किया गया। यह जानकारी स्कूल के हेड, कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने दी है।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में राजेन्द्र नगर कैम्पस के छात्र अयान यादव एवं शिव जायसवाल ने 3-3 गोल्ड मेडल अर्जित किया है जबकि आराध्या वाजपेयी ने 2 गोल्ड मेडल, आरुष गुप्ता ने 2 गोल्ड एवं 1 ब्राज मेडल, अनन्त श्रीवास्तव ने 1 गोल्ड एवं 1 सिल्वर मेडल जबकि शौर्य ने 1 गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में स्कूल के छात्रों ने सर्वाधिक 21 मेडल जीतकर अपनी तेराकी प्रतिभा का परचम लहराया है, साथ ही आने वाले समय में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर देश का गौरव बढ़ाने के संकेत दिये हैं।

मदरसों में अब पढ़ाया जाएगा संविधान, कानूनी शिक्षा की नई पहल

➤ अच्छा मुसलमान ही नहीं, अच्छा नागरिक बनाना भी मकसद- मौलाना काब रशीदी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। बदलते दौर के साथ मदरसों में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और समाजोपयोगी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब मदरसों में धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ भारत के संविधान, कानूनी अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों की भी शिक्षा दी जाएगी। इस नई पहल का उद्देश्य मदरसों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को देश की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। यह बातें जमीयत उलेमा-ए-हिंद उत्तर प्रदेश के विधिका सलाहकार मौलाना काब रशीदी ने संविधान और विभिन्न कानूनों की मूलभूत जानकारी पर आधारित अपनी पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि मदरसों की शिक्षा केवल धार्मिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि वहां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। मौलाना काब रशीदी ने कहा कि समय के साथ चलना हर संस्था और समाज की आवश्यकता है। ऐसे में मदरसों में संवैधानिक और कानूनी शिक्षा की शुरुआत छात्रों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करेगी। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से बच्चों को संविधान की बुनियादी समझ मिलेगी, जिससे वे अपने अधिकारों के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को भी बेहतर



दंग से समझ सकेंगे। मदरसों में आम लोगों का योगदान उन्होंने कहा कि मदरसों का संचालन किसी बड़े उद्योगपति या पूंजीपति के पैसे से नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े साधारण लोगों के सहयोग से होता है। देश की आजादी से लेकर सामाजिक और नैतिक जागरूकता तक,

मदरसों ने हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मदरसों में सुधार की नई शुरुआत मौलाना काब रशीदी ने बताया कि यह पुस्तक जल्द ही भारत की 10 अन्य भाषाओं में प्रकाशित की जाएगी और 15 राज्यों में इसका विमोचन किया जाएगा। उन्होंने इसे मदरसों में सकारात्मक सुधार की शुरुआत बताते हुए कहा कि सुधार ऐसे होने चाहिए, जिससे मदरसों की आत्मा और परंपरा सुरक्षित रहे, साथ ही आधुनिक जरूरतों के अनुरूप शिक्षा भी मजबूत हो। उन्होंने कहा कि आज के समय में मदरसों को लेकर सुधार की चर्चा होती रहती है, लेकिन सुधार का उद्देश्य उनकी पहचान को कमजोर करना नहीं बल्कि उन्हें और अधिक प्रभावी एवं प्रासंगिक बनाना होना चाहिए। धार्मिक शिक्षा के साथ संविधान और कानूनी जागरूकता को जोड़ने की यह पहल न केवल मदरसों के छात्रों को नई दिशा देगी, बल्कि उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों, अधिकारों और जिम्मेदारियों से भी जोड़ने का कार्य करेगी। शिक्षा के इस संतुलित मॉडल को समाज में सकारात्मक बदलाव और राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एसजीपीजीआईएमएस में बेसिक नियोनेटल रिससिटेशन प्रोग्राम का आयोजन

⇒ नवजात पुनर्जीवन कौशल को मिला बढ़ावा



तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। नवजात शिशुओं की जीवन रक्षा एवं नवजात पुनर्जीवन कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ के नियोनेटोलॉजी विभाग एवं कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा संयुक्त रूप से बेसिक नियोनेटल रिससिटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम के तत्वावधान में देशभर में मनाए जा रहे हज़रत शहीद का अंतर्गत

आयोजित किया गया। इस राष्ट्रप्यायी पहल का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों की नवजात पुनर्जीवन संबंधी आवश्यक कौशल में दक्षता बढ़ाना तथा रोगी जा सकने वाली नवजात मृत्यु दर को कम करना है। विशेषज्ञों ने बताया कि जन्म के तुरंत बाद के शुरुआती कुछ मिनट नवजात के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे समय में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा समय पर दी गई सहायता नवजात के जीवन को बचाने के साथ-साथ दीर्घकालिक जटिलताओं को भी कम कर सकती

है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी एवं प्रशिक्षु शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नवजात विभाग एवं कॉलेज ऑफ नर्सिंग के उत्कृष्ट समन्वय और बहुविधयक सहयोग का उदाहरण रहा। कार्यक्रम की कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. कीर्ति एम. नराजे, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, नियोनेटोलॉजी विभाग रही। नियोनेटोलॉजी विभाग से डॉ. अनीता सिंह, डॉ. आकांक्षा वर्मा, डॉ. अभिषेक पौल, डॉ. कोजिया कर्हत, डॉ. आरोही गुप्ता, डॉ. आर. के. श्वेताभ एवं डॉ. अन्वारसन ने फ़ैकल्टी इंस्ट्रक्टर के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रो. आर. हर्षवर्धन, मेडिकल सुपरिटेण्डेंट तथा प्रकाश सिंह, संयुक्त निदेशक प्रशासन उपस्थित रहे। उन्होंने दोनों विभागों के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया।

शहीद अब्दुल रफ़ीक खान की याद में उमड़ा व्यापारियों का सैलाब

➤ अब्दुल वहीद फ़ारूकी ने इसे साझी विरासत और मोहब्बत का मिशन बताया ➤ अजय त्रिपाठी मुन्ना ने संगठन को व्यापारियों के लिए न्याय का कण्व करार दिया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। राजधानी के ऐतिहासिक नक्खास बाजार में आयोजित शहीद अब्दुल रफ़ीक खान की 21वीं पुण्यतिथि मात्र एक शोक सभा नहीं, बल्कि व्यापारियों के स्वाभिमान और एकजुटता का एक बुलंद उद्घोष बनकर उभरी। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य वक्ताओं ने अपने ओजस्वी विचारों से शहीद की विरासत को नई ऊंचाई दी।

साम्प्रदायिक एकता का रूहानी संदेश, साहब एक्शन कमिटी के अध्यक्ष और प्रमुख समाजसेवी अब्दुल वहीद फ़ारूकी ने अपने संबोधन में समाज की बुनावट और भाईचारे पर गहरा जोर दिया। उन्होंने कहा, शहीद अब्दुल रफ़ीक खान की कल्पना किसी एक धर्म या वर्ग के लिए नहीं थी, बल्कि उन्होंने इंसाभावक और हक की खातिर अपनी जान का नजराना पेश किया था। यह बाजार उस साझी विरासत का गवाह है जहाँ हिंदू-मुस्लिम की



दीवारें ढह जाती हैं और सिर्फ इंसांनियत का रिश्ता बचता है। हमें इस गुलदस्ते जैसी एकता को महफूज़ रखना है, क्योंकि यही हमारे मुक्त की असली रूह है। बाजार की रीनक तभी तक है, जब तक हमारा आपसी प्रेम सलामत है। वही भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं व्यापारी संगठन के संरक्षक अजय त्रिपाठी मुन्ना ने एक अभिभावक के रूप में व्यापारियों में आत्मविश्वास जगाते हुए कहा की इतिहास गवाह है कि जब-जब दबे-कुचले लोगों की आवाज दबाई गई, तब-तब शहीद अब्दुल रफ़ीक खान जैसे नायकों ने अपने रक्त से न्याय की इबारत लिखी। शहीद रफ़ीक

साहब ने व्यापारियों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए खुद को अग्नि के हवाले कर दिया था। आज मैं आप सबको यह विश्वास दिलाने आया हूँ कि व्यापारी समाज अब अकेला नहीं है। संगठन आपकी दाल है। हम शासन और प्रशासन के बीच सेतु बनकर खड़े हैं, ताकि किसी भी छोट्टे या बड़े दुकानदार का उन्पीड़न न हो सके। शहीद के परिवार की खुशहाली और व्यापारियों का सम्मान ही हमारी प्राथमिकता है। सामाहिक बाजार दुकानदार कल्याण समिति के अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी ने शहीद के संघर्षों को वर्तमान चुनौतियों से जोड़ते हुए बेहद प्रभावशाली बखान दिया, आज हम

जिस खुली हवा में व्यापार कर रहे हैं, उसके पीछे 39 दिनों का वह कठिन अनशन और हमारे रहबर का वह आत्मबलिदान है। शहीद रफ़ीक साहब ने हमें सिखाया कि हक मांगा नहीं, छीना जाता है। आज कुछ ताकतें हमें गुमराह करने और संगठन को बाँटने की कोशिश करेंगी, लेकिन याद रखिएगा कि 1800 दुकानदारों का यह परिवार तभी तक सुरक्षित है जब तक हम एक मुट्ठी की तरह बंद हैं। हम माननीय राजनाथ सिंह जी और ब्रजेश पाटक जी के मार्गदर्शन में बाजारों को आधुनिक और व्यवस्थित बना रहे हैं, लेकिन हमारी असली ताकत हमारा अनुशासन और आपसी

विश्वास है। शहीद का खून बेकार नहीं जाएगा, हम उनके स्वाभिमान के झंडे को झुकने नहीं देंगे। इन तीनों दिग्गजों के बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया कि शहीद अब्दुल रफ़ीक खान की विरासत आज भी लखनऊ के व्यापारियों के दिलों में धड़क रही है। जहाँ एक ओर अब्दुल वहीद ने इसे मोहब्बत का मिशन बताया, वहीं अजय त्रिपाठी ने इसे न्याय का कण्व और नदीम सिद्दीकी ने इसे एकता का संकल्प करार दिया। श्रद्धांजलि सभा का अंत इस सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ हुआ कि व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष की यह मशाल कभी बुझने नहीं दी जाएगी।

रंगिया के लोगों की मांग विधायक भवेश कलिता को मंत्रिमंडल में शामिल करने की अपील।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंक्तज नाथ असम। रंगिया विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से विधायक भवेश कलिता को मंत्रिमंडल में शामिल करने की अपील की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भवेश कलिता क्षेत्र की समस्याओं को समझते हैं और लगातार जनता से जुड़े मुद्दों को उठाते रहे हैं। इसी वजह से क्षेत्रवासियों में यह उम्मीद बनी है कि यदि उनके जैसे अनुभवी नेता को मंत्रिपद मिलता है, तो रंगिया के साथ साथ राज्य के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने कस कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर जब भी क्षेत्र को और ध्यान देने की जरूरत है। उनका मानना है कि सरकार में प्रतिनिधित्व मिलने से रंगिया की आवश्यकताओं को अधिक प्रभावी ढंग से रखा जा सकेगा। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि भवेश कलिता लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं और जनता के बीच उनकी पकड़ मजबूत है। क्षेत्रवासियों की इस अपील को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि यदि पार्टी नेतृत्व इस मांग पर विचार करता है, तो रंगिया के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है। हालांकि, इस विषय पर अब तक न तो सरकारी स्तर पर कोई आधिकारिक घोषणा हुई है और न ही पार्टी की ओर से कोई पुरि की गई है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि पार्टी नेतृत्व जनता की भावना को गंभीरता से लेगा और क्षेत्र के हित में निर्णय करेगा। कई नागरिकों का कहना है कि रंगिया जैसे क्षेत्र को राज्य की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अधिक प्रभावी भागीदारी मिलनी चाहिए, ताकि विकास योजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बन सकें। इस बीच, राजनीतिक परिदृश्य को का कठना है कि ऐसे अग्रह अवसर स्थानीय जनभावना और जनप्रतिनिधि के प्रति विश्वास को दर्शाते हैं। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि शीर्ष नेतृत्व इस मांग को किस रूप में लेता है।

हिमत बिस्वा सरमा चुने गए एनडीए विधायक दल के नेता , 12 मई को असम के मुख्यमंत्री के रूप में लेंगे शपथ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंक्तज नाथ असम। भाजपा और एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में हिमत बिस्वा सरमा का एकमत से चुनाव हो गया। इस फैसले के साथ ही 12 मई को नई सरकार के शपथवाहण समारोह की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस भव्य आयोजन में प्रधानमंत्री



नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। रविवार को गुवाहाटी में नवनिर्वाचित एनडीए विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नन्दा ने घोषणा की कि विशिष्ट नेताओं द्वारा सरमा के नाम का प्रस्ताव आठ बार पेश किया गया। इनमें रंजित कुमार दास, बिस्वजीत देगारी, अर्जुन नेओज, रामेश्वर तेली, राजदीप रॉय, अशोक सिंघल, विजुष हजारीका और चक्रवर्त गोमोई जैसे प्रमुख नेता शामिल थे। एनडीए के घटक दलों-भाजपा, असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ)-के विधायकों ने असम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। एजीपी के अध्यक्ष अतुल बोरा और बीपीएफ के रिसेन देगारी ने भी सरमा के नाम का खुला समर्थन किया। इसके बाद उन्हें भाजपा विधायक दल और एनडीए विधायक दल दोनों का नेता सर्वसम्मति से चुना गया। यह हिमत बिस्वा सरमा का दूसरा लगातार कार्यकाल होगा। वे असम के मुख्यमंत्री के रूप में 12 मई को शपथ लेंगे। शपथवाहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति इस जीत को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण बनाएगी। असम विधानसभा चुनाव में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया। 126 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए को 102 सीटें हासिल हुईं, जबकि विपक्ष को महज 24 सीटें मिलीं। भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतीं, वहीं सहयोगी एजीपी और बीपीएफ को क्रमशः 10-10 सीटें प्राप्त हुईं। विपक्ष में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 19 सीटें मिलीं। राज्यवार दल को दो, एआईयूडीएफ को दो सीटें हासिल हुईं, जबकि असम जातीय परिषद एक भी सीट नहीं जीत सकी। इस अपार सफलता ने असम में एनडीए की अटल पकड़ को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। सरमा के नेतृत्व में राज्य में विकास, स्थिरता और समृद्धि की फिर से नई उम्मीदें जागी हैं।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन, सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बख्शी का लालाब क्षेत्र में रविवार को समाज सेवा और जनहित की भावना के साथ निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पितम्बर बुद्ध विहार समिति, बीकेटी एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुनाथ कुमार कुशवाह के सहयोग से मंगलम विलजित, अस्ती रोड बीकेटी के निकट आयोजित हुआ। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान सामान्य स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं रक्तदान जैसी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। शिविर में पहुंचे मरीजों ने अपनी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर चिकित्सकों से परामर्श लिया तथा आवश्यक जांच कराई। इस अवसर पर चिकित्सकों की टीम ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और नियमित जांच कराने की सलाह भी दी। पितम्बर बुद्ध विहार समिति के प्रबंधक रघुनाथ सुन्दर ने बताया कि समाज के जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रकार के शिविर आगे भी समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सामान्य जांच एवं चिकित्सकीय सलाह निःशुल्क उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है। शिविर में डॉ. डा. मनीष कुमार, राजेश गुप्ता सहित कई युवाओं ने जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले सभी सम्मानित रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया, जिससे समाज में मानवता, सेवा और जागरूकता की भावना को और अधिक मजबूती मिल सके। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि जनता का सहयोग और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है तथा स्वास्थ्य, सेवा और समाजहित के संकल्प के साथ वे लगातार क्षेत्र की जनता के बीच कार्य कर रहे हैं। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी डॉक्टरों, सहयोगियों, युवाओं एवं क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में समाज सेवा के संदेश के साथ कहा गया कि फ़समान सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं।



अरिवलेश का बड़ा एलान महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर लगेगा सोने का भाला, होगी 2 दिन की छुट्टी

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाराणा प्रताप जयंती पर अपने लखनऊ रियत पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निर्याना साधा। पारदर्श्य पगड़ी पहने सपा मुखिया ने महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर बड़ा एलान करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार सत्ता में आती तो महाराणा प्रताप जयंती पर वे दिन का सरकारी अवकाश दिया जाएगा साथ ही दुनिया के सबसे शानदार गोमती रिएर फ्रंट पर महाराणा प्रताप की मध्य प्रतिमा चेतक चेंड्रे के साथ स्थापित की जाएगी, जिसमें सोने का भाला लगाया जाएगा। अखिलेश ने कहा कि यह प्रतिमा वीरता, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक बनेगी। साथ ही गोमती रिवरफ्रंट पर मगरफुलों और आंदोलनों से जुड़े लोगों को सम्मान देने का काम किया जाएगा। गोमती रिवरफ्रंट को बनाया सपा का सबसे शानदार प्रोजेक्ट अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ का गोमती रिवरफ्रंट देश के सबसे बेहतरीन रिवरफ्रंट्स में शामिल है। उन्होंने कहा कि जब यह बेहुरीयोजना पूरी तरह तैयार हो जाएगी तो दूसरे राज्यों के लिए भी एक आदर्श बनसकै। सपा प्रमुख ने दावा किया कि मीथिया में नदियों को साफ रखने के लिए इससे बेहतर मॉडल कोई नहीं हो सकेगा। प्रेक्षावां को संबोधित करते हुए हाल ही में पश्चिम बंगाल में झीला तट चुनाव प्रक्रिया को

महामना मालवीय मिशन मेडिकल सेल द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता पदयात्रा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित



तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ लखनऊ। महामना मालवीय मिशन लखनऊ द्वारा संचालित महामना मालवीय मिशन मेडिकल सेल के अंतर्गत आग स्वास्थ्य जागरूकता पदयात्रा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत स्वास्थ्य जागरूकता पदयात्रा से हुई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सहभागिता की। इस अवसर पर महामना मालवीय मिशन मेडिकल सेल के अध्यक्ष डॉ. के. पी. चंद्र ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जीवन के लिए दैनिक खान-पान में तेल एवं कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम करते हुए फाइबर युक्त आहार को बढ़ावा देना आवश्यक है। साथ ही नियमित 30 से 40 मिनट का मॉर्निंग वॉक एवं व्यायाम को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। महामना मालवीय मिशन लखनऊ



लेकर उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सल लनों या सदी, हम हर हला में झीला को हटाकर रहेगे। उन्होंने इंग्लैंड के स्थानीय चुनावों का उल्लेख देते हुए बेहतर पार की कालत करते हुए कहा कि हमारा देश इंगलैंड से अधिक अग्रसर नहीं है फिर भी वह वे दिन पहले हुए चुनाव में बेहतर प्रक्रिया में ही इस्तेमाल किया गया। लोकतंत्र और सवधान बवाने के लिए मर्यादा लेयर में करना होगा समाना अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोलेते हुए कहा कि देश में बहुसंखीय चुनावी माफिया काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, सवधान और सवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बवाने के लिए सभी को मिलकर लड़ई लड़नी होगी। उन्होंने विपक्षी रत्नो और लोकतंत्र में विश्वास

रखने वाले लोगों से एकजुट होने की अपील भी की। उन्होंने यह भी कहा कि हमें भी मर्यादा लेयर में इसका समाना करने की योजना बनानी होगी। अखिलेश ने कहा कि जब स्मार्ट मीटर्स को कहीं से भी निरूपित किया जा सकता है तो साफ है कि झीला को भी निरूपित किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने विश्वास जताया कि समाजवादी पार्टी झीला के रहते हुए भी भाजपा को हराने की क्षमता रखती है। चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए सपा मुखिया ने कहा कि सपा के गेट कारने के लिए काफी तरीके से फॉर्न-7 मर्यादा ला लेकन कोई कार्यई नहीं हुई। बेरियों को केजी से लेकर पीनी तक मिलेगी गुप्त शिखा अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की जीत का मुख्य आधार पीडीए यानी पिछ्पू, दलित और अल्पसंख्यक समान हैं है।

गहरु क्षेत्र में सड़क निर्माण को लेकर सक्रिय हुई पार्षद गीता देवी गुप्ता, मौके पर पहुंचकर सुनीं समस्याएं

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। गीता देवी गुप्ता ने रविवार को गहरु क्षेत्र का दौरा कर सड़क निर्माण प्रस्ताव को लेकर स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बरखासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा मौके का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लंबे समय से जर्जर सड़क और मूलभूत सुविधाओं की कमी से परेशान लोगों ने पार्षद के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, जिस पर उन्होंने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। क्षेत्रवासियों ने बताया कि गहरु इलाके में सड़क की स्थिति काफी खराब है, जिससे आवागमन में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रणसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। इस पर पार्षद गीता

उन्होंने संकल्प लिया कि सपा सरकार बनने पर बेटीयों को केजी से पीनी तक गुप्त शिखा उपलब्ध कराई जाएगी। कैसर इंस्टीट्यूट की कार्यणाली पर कठघरे हए उन्होंने कहा कि कैसर इंस्टीट्यूट को सक्रिय कर गरीबों के लिए गुप्त इलाज की व्यवस्था करने का काम सपा सरकार करेगी। जीते टॉलेस की नीति ने लॉ एंड ऑर्डर जीरो कर दिया है उ में सौभाग्योगी की जीरो टॉलेस नीति पर समालिया मिरान लगाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बाब के जीरो टॉलेस की नीति ने दरअसल उ के लॉ एंड ऑर्डर को ही जीरो कर दिया है। उन्होंने एलसीआरबी द्वारा जारी अपराधिक आकड़े का हवाल देते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए बताया कि उ में महिलाओं और एलसी-एलसी समुदाय के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं। भाजपा प्रेटील-डोल के दाम निसन पर अखिलेश यादव ने तंन करते हुए कहा कि नीतियों और निजीकरण पर तंन करते हुए कहा कि भाजपा खुद को समाजवादी दिखाते की कोशिश करती है लेकिन असल में वह पूंजीवादियों की पार्टी है। उन्होंने आर्थक जगई कि सरकार जस्ट वी प्रेटील-डोल के दाम बढ़ा सकती है और नोड्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी मीथिया में निजी हस्तों में सौंप दिया जाएगा। आंमप्रकाश रामभरे के बला बहाने वाले बयान पर अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि हमें तो कपी की जरूरत

देवी गुप्ता ने सड़क निर्माण प्रस्ताव को गंभीरता से लेते हुए लोगों से विस्तृत



चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्षद ने क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हैं, जिससे रात के समय अंधेरा रहने के कारण लोगों को असुरक्षा का सामना करना पड़ता

है। उन्होंने "चल सन्यासी मंदिर" में गाते का जिक्र करते हुए कहा कि उनका क्या मिनके सिर पर बाल ही नहीं है। भाजपा सांसद-विधायकों का सम्मान मान कर ले रही है उतर प्रदेश सरकार की योगी सरकार ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को अटेंड जारी किया गया है कि उन्हें सांसदों और विधायकों का सम्मान करना होगा। मिसन पर अखिलेश यादव ने तंन करते हुए कहा कि सम्मान कभी फरमान से नहीं आये कामों से मिलता है। दरअसल यूपी सरकार के मुख्य सचिव एस्पी गोयल ने हाल में सभी प्रशासनिक अधिकारियों को सांसदों और विधायकों का सम्मान करने के निर्देश दिए हैं। इन आदेश में कहा गया है कि अगर कोई भी सांसद या विधायक अधिकारी के द्वाकर पहुंचता है तो उन्हें कुरी से खड़े होकर उनका अभिवादन करना होगा और उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार करना होगा। इतना ही नहीं अधिकारियों को सांसद-विधायकों के फोन कॉल को उत्तरना होगा। अगर वो कहीं व्यस्त है तो बाद में उन्हें कॉल करके उत्तर देना होगा। उनके द्वारा उठाए गए प्रकरणों का त्वरिततापूर्वक समाज की मदद। एलसीथिया टीन का नेतृत्व डॉ. दंश और डॉ. प्रतीक बैस ने किया। सनई में परवर्टनेरिस पंडितल स्कू फिचसेशन तकनीक का उपयोग किया गया, जो छेदे पीरे के माध्यम से की जाने वाली अस्वास्थिक न्यूतनल इन्वेसिव स्वाइन थिरेपिकेशन प्रक्रिया है। इस तकनीक से रक्तस्राव कम होता है, उत्तकों को न्यूतनल धति पहुंचती है, ऑपरेशन के बाद दर्द कम रहता है, छेदे निशान कम करती हैं। और मरीज तेजी से स्वस्थ होता है। डॉ. अशुतोष कुमार ने बताया कि एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में पिछले पांच वर्षों से स्वाइन ट्रॉमा के लिए न्यूतनल इन्वेसिव सर्जरी नियमित रूप से की जा

अत्याधुनिक ओ-आर्म तकनीक से एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में स्पाइन ट्रॉमा केयर को मिली नई मजबूती

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। एलसीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर ने उन्नत स्पाइन ट्रॉमा उपचार के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सेंटर के न्यूरोसर्जरी विभाग ने नवस्थापित अत्याधुनिक ओ-आर्म इमेजिंग एवं स्पाइनल नेविगेशन सिस्टम की सहायता से आघातजन्य डी-10 कनेरक फ्रैक्चर से पीड़ित मरीजों की सफल न्यूतनल इन्वेसिव स्वाइन फिचसेशन सर्जरी कर चिकित्सा क्षेत्र में नया मानक स्थापित किया है। यह नटिल सर्जरी डॉ. पवन वर्मा और डॉ. अशुतोष कुमार द्वारा एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख डॉ. अरुण श्रीवास्तव तथा न्यूरोसर्जरी विभागमाध्यम से अवरोध निवारण के माध्यम से सफलतापूर्वक संचाल की गई। एलसीथिया टीन का नेतृत्व डॉ. दंश और डॉ. प्रतीक बैस ने किया। सनई में परवर्टनेरिस पंडितल स्कू फिचसेशन तकनीक का उपयोग किया गया, जो छेदे पीरे के माध्यम से की जाने वाली अस्वास्थिक न्यूतनल इन्वेसिव स्वाइन थिरेपिकेशन प्रक्रिया है। इस तकनीक से रक्तस्राव कम होता है, उत्तकों को न्यूतनल धति पहुंचती है, ऑपरेशन के बाद दर्द कम रहता है, छेदे निशान कम करती हैं। और मरीज तेजी से स्वस्थ होता है। डॉ. अशुतोष कुमार ने बताया कि एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में पिछले पांच वर्षों से स्वाइन ट्रॉमा के लिए न्यूतनल इन्वेसिव सर्जरी नियमित रूप से की जा

है। तैकिन ओ-आर्म और नेविगेशन प्लेटफॉर्म की स्थापना सॉलजल सर्टीकन और सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी तकनीकी छलांग है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक ऑपरेशन के दौरान वास्तविक समय

की त्रि-आयामी इमेजिंग और कंप्यूटर-गाइडेड नेविगेशन उपलब्ध है, जिससे नटिल स्वाइनल ट्रॉमा मामलों में भी इन्फलांस को अत्यधिक सटीकता के साथ स्थापित किया जा सकता है। साथ ही, यह पणाली मरीजों और ऑपरेशन टीम दोनों के लिए रेडिएशन जोखिम को भी काफी कम करती है। डॉ. पवन वर्मा ने कहा कि ओ-आर्म और नेविगेशन सिस्टम की स्थापना एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के लिए एक बड़ी सर्जिकल एवं तकनीकी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी बताया कि

वैसीसी धटे व्याक न्यूरोसर्जिकल एवं स्पाइन ट्रॉमा सेनाएं प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो. डॉ. आर.के. धीमान ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि उन्नत ओ-आर्म और नेविगेशन तकनीक का अधिग्रहण एलसीजीआईफायर को एक सफल कदम करती है। डॉ. पवन वर्मा ने कहा कि ओ-आर्म और नेविगेशन सिस्टम की स्थापना एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के लिए एक बड़ी सर्जिकल एवं तकनीकी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी बताया कि



वैसीसी धटे व्याक न्यूरोसर्जिकल एवं स्पाइन ट्रॉमा सेनाएं प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो. डॉ. आर.के. धीमान ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि उन्नत ओ-आर्म और नेविगेशन तकनीक का अधिग्रहण एलसीजीआईफायर को एक सफल कदम करती है। डॉ. पवन वर्मा ने कहा कि ओ-आर्म और नेविगेशन सिस्टम की स्थापना एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के लिए एक बड़ी सर्जिकल एवं तकनीकी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी बताया कि

समाचार

पल्सर बाइक की टक्कर से चोटिल एक्टिवा सवार बुजुर्ग की मौत
बेटे की शिकायत पर गाड़ी नम्बर के आधार पर केस दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

मानक नगर। मानक नगर धाना क्षेत्र में बीते दो दिन पूर्व एक तेज रफतार पल्सर बाइक की टक्कर से एक्टिवा सवार एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी इलाज के दौरान ट्रामा मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर शनिवार को केस दर्ज कर लिया है। मानक नगर धाना प्रमारी अजीत सिंह ने बताया ब्रह्म नगर आलमबाग निवासी आशीष चंद्र पुर हरीश चंद्र के अनुसार उनके पिता हरीश चंद्र बीते 7 मई की सुबह फूल-माला लेने के लिए अपनी एक्टिवा संख्या यूपी 32 जी यू 1150 से राम प्रसाद खेड़ा स्थित हनुमान मंदिर गए थे। आरोप है कि मंदिर से वापस लौटते समय लंगड़ा फाटक के निकट तेज रफतार पल्सर बाइक संख्या यूपी 32 आए एच 6941 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनके पिता की एक्टिवा में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसके पिता हरीश चंद्र सड़क पर गिर गंभीर रूप से चोटिल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उन्हें ट्रामा शिफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उसके पिता की मृत्यु हो गई। वहीं मृतक के बेटे आशीष चंद्र ने पिता के अंतिम संस्कार के बाद आरोपी बाइक सवार के खिलाफ स्थानीय मानक नगर थाने में पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के अनुसार मृतक के बेटे की शिकायत पर केस दर्ज कर गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपी वाहन के चालक की तलाश की जा रही है।

पति भाभी पर लगाया दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आलमबाग कोतवाली इलाके में रहने वाली एक नवविवाहित की शिकायत पर पुलिस ने पीड़िता के पति भाभी पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया है। आलमबाग कोतवाली इलाके स्थित हरिहर प्रसाद नगर निवासी मीनिका श्रीवास्तव पत्नी अरविंद श्रीवास्तव ने बताया उसके विवाह का एक महीना हुआ है। आरोप है कि उसके पति अरविंद श्रीवास्तव और उनकी भाभी प्राची श्रीवास्तव उसे दहेज के लिए परेशान करने के साथ उसपर भाई से पचास हजार रुपये और ससुराल के मकान में आधा हिस्सा दिलवाने का दबाव बना मारपीट का आरोप लगा स्थानीय आलमबाग कोतवाली में लिखित मानागत शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़िता नवविवाहिता की शिकायत पर शनिवार को केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई किया जा रहा है।

अब्दुल रफीक की पुण्यतिथि पर उमई साप्ताहिक व्यापारी
तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ



लखनऊ। साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति ने रविवार को शहीद स्मारक पर व्यापारी नेता शहीद अब्दुल रफीक खान की पुण्यतिथि पर अपनी भावमयी श्रद्धांजलि दी। अपने नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में

लखनऊ। साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति ने रविवार को शहीद स्मारक पर व्यापारी नेता शहीद अब्दुल रफीक खान की पुण्यतिथि पर अपनी भावमयी श्रद्धांजलि दी। अपने नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में

व्यापारी उमड़ने लगे थे। साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति के अध्यक्ष वसी उल्ला आजाद ने इस मौके पर कहा कि शहीद अब्दुल रफीक खान पूरी जिन्दगी साप्ताहिक बाजार के व्यापारियों को न्याय दिलाने के लिए लड़ते रहे। व्यापारियों के अधिकारों के लिए लड़ते हुए वो शहीद हो गए। उन्होंने कहा कि अब्दुल रफीक खान के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम व्यापारी उनकी ही दिशाएं मार्ग पर चल रहे हैं। इस मौके पर महामंत्री अनिल सक्सेना, मोहम्मद कलीम खान, विनोद कुमार गुप्ता, लक्ष्मण वर्मा, विशाल गुप्ता, रफीक अहमद और मोहम्मद इस्माइल समेत सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

गुरुद्वारों में गुरु अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस को समर्पित सुखमनी साहिब के लड़ीवार पाठ हुए प्रारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। शहर के गुरुद्वारों में रविवार को गुरु अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस को समर्पित सुखमनी साहिब के लड़ीवार पाठ प्रारम्भ हुए 7 18जून को श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस पर पाठों का सामान्य गुरुद्वारों में सुखमनी साहिब का पाठ हुआ। संगत को गुरु के बताए रास्ते पर चलने का संदेश दिया गया। यष्टिवाज के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब में श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस को समर्पित सुखमनी साहिब के लड़ीवार पाठ की शुरुआत रविवार तक हुई। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह धैप्री ने बताया कि डॉ. गुरुमीत सिंह के संयोजन में सुखमनी साहिब के पाठ रोजना सुबह पांच से सात बजे तक 40 दिन लगातार होगी। इसके अलावा 18 जून को गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस वाले दिन पाठ की समाप्ति होगी। इन 40 दिन लगातार कच्ची लस्सी की खील लगाई जाएगी। गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। संगत को बताया गया कि जहांगीरे ने सन् 1606 में गुरु अर्जन देव को यासा के नियम के तहत शहीद करने का फरमान जारी किया था। यासा में शहीद के खून की बूंद जमीन पर नहीं गिरी, गुरु को गर्म तवे पर बैठाकर शहीद किया गया। गुरु अर्जुन देव का जन्म पंजाब के गोइंदावल नगर जिला तदनतारन में 1563 को पिता गुरु रामदास और माता भागी के घर हुआ। गुरु अर्जन देव की जिनगी, आदर्श और योग्यता को देखते हुए गुरु रामदास ने उन्हें गुरुता गद्दी की बखशीश की। गुरु अर्जुन देव ने अपने जीवन में मानवता के मंले के लिए अनेक कार्य किए और हमेशा ही सबको मंले के कार्य करने का उदाहरण दिया है।



महाकाली वाहिनी की पहली बैठक सम्पन्न, मातृशक्ति को संगठित और सशक्त बनाने का लिया संकल्प



तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ इटिरापुरम में आज महाकाली वाहिनी की पहली बैठक का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही, जहां संगठन विस्तार, महिला जागरूकता और मातृशक्ति को सशक्त बनाने पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में महानगर कोऑर्डिनेटर निशी त्यागी द्वारा बुधवार मंडल महाकाली वाहिनी की कोऑर्डिनेटर के रूप में तोशी श्रीवास्तव को मनोनीत किया गया। इसके साथ ही विभिन्न मंडलों के कार्यकारिणी सदस्यों की भी घोषणा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में

उपस्थित डॉ. उदिता त्यागी तथा राष्ट्रीय महाकाली समन्वयक धर्मेजुत आशा मा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष स्वरूप प्रदान किया। इस दौरान महाकाली वाहिनी के सात प्रमुख उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और महिलाओं को संगठन की विचारधारा से अवगत कराया गया। वक्तोंओं ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में महिलाओं को मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर मजबूत बनाने की आवश्यकता है और इसके लिए संगठनात्मक शक्ति अत्यंत आवश्यक है। अपने संबोधन में डॉ. उदिता त्यागी ने कहा कि आज भी अनेक परिस्थितियों में मातृशक्ति स्वयं को असुरक्षित और कमजोर महसूस करती

है। ऐसे समय में भारतीय संस्कृति और हिंदू आदर्श ही महिलाओं को आत्मबल प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाकाली वाहिनी का उद्देश्य प्रत्येक हिंदू महिला को संगठित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वह अपने परिवार, समाज और स्वयं के अस्तित्व की रक्षा करने में सक्षम बन सके। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए स्वयं को मानसिक रूप से मजबूत करें और आवश्यकता पड़ने पर महाकाली स्वरूप धारण करने का साहस रखें। महानगर कोऑर्डिनेटर निशी त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि नारी कोमल अवस्था है, लेकिन वह कभी कमजोर नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि महिलाओं में अपार शक्ति और क्षमता होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और जागृत करने की है। उनके वक्तव्य से उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास और

उत्साह का संचार देखने को मिला। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं ने संगठन के उद्देश्यों को पूरा करने और समाज में महिला शक्तिचक्र को मजबूत करने के लिए स्वयं को मानसिक रूप से मजबूत करें और आवश्यकता पड़ने पर महाकाली स्वरूप धारण करने का साहस रखें। महानगर कोऑर्डिनेटर निशी त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि नारी कोमल अवस्था है, लेकिन वह कभी कमजोर नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि महिलाओं में अपार शक्ति और क्षमता होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और जागृत करने की है। उनके वक्तव्य से उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास और

लखनऊ की बेटी रुखसार हसन ने लंदन में फहराया जीत का परचम

सटन वार्ड से काउंसलर चुनी गई, बड़े अंतर से दर्ज की ऐतिहासिक जीत



तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ लंदन/लखनऊ। लखनऊ में पली-बढ़ी और अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजधानी में हासिल करने वाली भारतीय मूल की रुखसार हसन असकरी ने लंदन में काउंसलर चुनाव जीतकर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे लखनऊ और देश का नाम रोशन किया है। रुखसार ने लंदन के सटन वार्ड सीट से शानदार जीत दर्ज करते हुए राजनीति और समाजसेवा के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। रुखसार हसन असकरी ने लखनऊ के प्रतिष्ठित लामार्टिनियर कॉलेज से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण की थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह खेलकूद में भी हमेशा अग्रणी रही और स्विमिंग प्रतियोगिताओं में कई उपलब्धियां हासिल कीं।

कम उम्र में पिता के निधन के बाद उनका पालन-पोषण मुख्य रूप से ननिहाल में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय मिर्जा जलालुद्दीन हैदर कश्मीरी मोहल्ले के दरगाह क्षेत्र के निवासी थे, जो एक प्रसिद्ध समाजसेवी और पॉलीटेक्निक शिक्षक के रूप में जाने जाते थे। रुखसार के मामू... एस.एफ. रिजवी ने बताया कि रुखसार शुरू से ही मेधावी और मेहनती छात्रा रही हैं। आगे की पढ़ाई के लिए वह करीब 13 वर्ष पहले लंदन गईं, जहां उन्होंने बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त की और वर्तमान में एक प्रतिष्ठित लॉ फर्म में अपनी सेवाएं दे रही हैं। डॉ. रिजवी के अनुसार, रुखसार ने कवीरा डेढ़ वर्ष पहले लोगों के आग्रह पर लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। पार्टी से जुड़ने के बाद उन्होंने लगातार



सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई और आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया। समाज के सभी वर्गों के बीच उनकी लोकप्रियता और सक्रियता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें सटन वार्ड से उम्मीदवार बनाया। रुखसार ने चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारी मतों से जीत दर्ज की। चुनाव परिणामों के अनुसार रुखसार हसन असकरी को कुल 1593 वोट प्राप्त हुए, जबकि दूसरे स्थान पर रही ग्रीन पार्टी के उम्मीदवार ग्रेग पीटर को मात्र 448 वोट मिले। इस बड़ी जीत ने यह साबित कर दिया कि क्षेत्र की जनता का उन्हें भरपूर समर्थन और विश्वास हासिल है। रुखसार की इस उपलब्धि से लखनऊ में खुशी और गर्व का माहौल है। परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने इसे शहर और देश

के लिए गौरव का क्षण बताया है।

जालसाजों ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करा हड़प्पे 37 लाख रुपये, रकम मांगने पर गुप से किया बाहर

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णनगर कोतवाली इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति से जालसाजों ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कर 37 लाख रुपये हड़प लिया और रकम मांगने पर गुप से बाहर कर दिया। कृष्णनगर कोतवाली इलाके स्थित हरिहर प्रसाद नगर निवासी कृष्ण कुमार शुक्ल पुरा सचू चन्द्र गुप्ता शुक्ल ने बताया बीते 13 मार्च को उन्होंने गुप्तल पर मिले एक लिंक के जरिए FINSOL SEWRITIES PRIVATE LIMITED नाम की कथित स्टॉक ट्रेडिंग कम्पनी का ऐप डाउनलोड किया। इसके बाद वह लक्ष्मण गुप के माध्यम से ट्रेडिंग करने लगे। पीड़ित का कहना है कि कम्पनी की ओर से उन्हें रीमिनेशंस प्रमाण पत्र समेत कई दस्तावेज भेजे गए थे। एसईबीआई के पोर्टल पर जांच करने पर दस्तावेज प्रथम दृष्टया सही प्रतीत हुए, जिसके चलते उन्होंने निवेश करना शुरू कर दिया। आरोप है कि ट्रेडिंग के दौरान लक्ष्मण गुप ने बाएर गए विभिन्न खातों में उन्होंने अपनी जाली नदनी शुक्ला के यूनिटन बैंक ऑफ इंडिया खाते से दो बार तथा अपने एसबीआई खाते से एक बार आर्टीफिशियल रूप से कुल 37 लाख 26 हजार 145 रुपये ट्रान्सफर किये। कृष्ण कुमार शुक्ल के मुताबिक जब उन्होंने निवेश की रकम वापस मांगी तो कम्पनी की ओर से सर्विस चार्ज के नाम पर और धैस जमा करने का दबाव बताया गया। लगातार दवाबनिले और अनाकाली के बाद उन्हें ठगी का शक हुआ। आरोप है कि बाद में कम्पनी ने उन्हें लक्ष्मण गुप से भी बाहर कर दिया।पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर सेल समेत स्थानीय कृष्णनगर कोतवाली में की है। पुलिस के अनुसार शिकायत के आधार पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

क्षेत्रीय दलों पर भारी पड़ रही भाजपा

भाजपा उस राजनीतिक विमर्श को भी ध्वस्त कर रही है कि उसे चुनौती देने का जो काम देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस नहीं कर पा रही, वह क्षेत्रीय दल बखूबी कर रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेले दम बहुमत और कांग्रेस के 44 सीटों पर सिमट जाने से वह विमर्श शुरू हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव परिणामों ने भी उसे बल प्रदान किया लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से वह कमजोर पड़ने लगा है। बेशक 2024 में भाजपा को मात्र 240 सीटें पर संकट देने में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तमिलनाडु में द्रमुक और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने उसमें अहम भूमिका निभाई। बेशक कांग्रेस की सीटें भी 52 से बढ़ कर 99 हो गईं लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह क्षेत्रीय दलों के सहारे ‘परजीवी’ है। बात गलत भी नहीं थी, इन राज्यों में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों से गठबंधन के सहारे ही चुनाव लड़ने को मजबूर है। बेशक हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकारें हैं, पर पहले दोनों राज्य लोकसभा सीटों की संख्या के लिहाज से ज्यादा प्रभावी हैं। शायद इसीलिए 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा के निशाने पर क्षेत्रीय दल और उनकी सरकारें ज्यादा नजर आती हैं। कांग्रेस के अधोषित नेतृत्व वाला विपक्षी ‘इंडिया’ गठबंधन स्वाभाविक ही भाजपा के 240 सीटों पर सिमट जाने को अपनी सफ़्ता मान रहा था लेकिन उसके बाद से उसके हिस्से हार के झटके ही ज्यादा आए हैं। सिर्फ झारखंड और जम्मू-कश्मीर ही अपवाद रहे, जहां कांग्रेस की उपस्थिति का सत्ता राजनीति में ज्यादा अर्थ नहीं है। जम्मू-कश्मीर ने नेशनल कांफ़्रेंस का ही दबदबा है तो झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा और विधानसभा चुनाव के बाद दोनों की ही कांग्रेस से दूरियां बढ़ती दिख रही हैं। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन 30 सीटें जीत गया। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतीं तो उद्धव की शिवसेना ने 9, जबकि शरद पवार की राकांपा ने 8। तमिलनाडु में भी इंडिया गठबंधन 39 में 35 सीटें जीतने में सफ़ल रहा। पश्चिम बंगाल में भी तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को 12 सीटों पर समेटते हुए 42 में से 29 लोकसभा सीटें जीत लीं। अलग लड़ी कांग्रेस भी एक सीट जीत गई। 20 सीटों वाले केरलम् में भी कांग्रेस नीत यू.डी.एफ 18 सीटें जीत गया, जबकि तत्कालीन सत्तारूढ़ एल.डी.एफ के हिस्से 1 ही सीट आई। भाजपा भी पहली बार अपना खाता खोलने में सफ़ल रही। बेशक यू.डी.एफ की 18 में से 14 सीटें कांग्रेस की रहीं लेकिन केरलम् में गठबंधन राजनीति एक अनिवार्यता रही है। इसलिए कांग्रेस की सीटें बढ़ कर 99 हो जाने के बावजूद भाजपा के तेज रफ़्तार विस्तार पर नियंत्रण में क्षेत्रीय दलों की अहम भूमिका है। बेशक चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी, नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड, जयंत चौधरी का राष्ट्रीय लोकदल, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, स्वर्गीय अजित पवार की राकांपा के अलावा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक, भाजपानीत राजन में शामिल हैं लेकिन नवीन पटनायक का बीजू जनता दल, हजयंत सोरेन का झामुमो, लालू-तेजस्वी का राजद, अखिलेश यादव की सपा, एम.के. स्टालिन का द्रमुक, उमर अब्दुल्ला की नेशनल कांफ़्रेंस, अरविंद केजरीवाल की ‘आप’ और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस समेत मतमान बड़े क्षेत्रीय दल उससे दूरी बनाए हुए हैं। संयोग कहे या प्रयोग, 2024 से ही इन दलों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पटनायक के बीजद की दशकों पुरानी सत्ता ओडिशा में तो भाजपा ने लोकसभा चुनाव के साथ हुए विधानसभा चुनाव में ही उखाड़ फेंकी थी, महाराष्ट्र में चंद महीना बाद हुए विधानसभा चुनाव में पासा पटल दिया, जब विपक्ष हाशिए पर चला गया। भारतीय राजनीति में धूमकेतु की तरह चमके केजरीवाल की ‘आप’ से भी भाजपा ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में सत्ता छीन ली। पिछले साल के अंत में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में ही ऐसे ही एकतरफ़ा परिणाम आए, जिसके लिए विपक्ष सीधे-सीधे चुनाव आयोग की टी.वी.के. भी एक क्षेत्रीय दल ही है लेकिन दशकों पुराने स्थापित क्षेत्रीय दलों-द्रमुक और अन्नाद्रमुक तो सत्ता के खेल से बाहर नजर आ रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और पंजाब में ‘आप’ ही 2 ऐसे क्षेत्रीय दल हैं, जिन्हें चुनावी पटखनी देना भाजपा के लिए शेष है। इन दोनों राज्यों में आगले साल ही विधानसभा चुनाव होंगे। पंजाब में अगर शिरोमणि अकाली और भाजपा फिर से दोस्त बन गए तो पंजाब की चुनावी तस्वीर बदलते भी देर नहीं लगेगी। हां, यह बात अलग है कि एक ओर क्षेत्रीय दल के रूप में शिरोमणि अकाली दल की सत्ता राजनीति में वापसी हो जाएगी लेकिन वह भाजपा का दोस्त ही होगा-जैसे कि आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू, पुडुचेरी में एन. रंगासामी आदि हैं।

मिट्टी की सेहत सुधारने की जरूरत

हमारे खेतों की मिट्टी का उपजाऊपन कम होते जा रहा है। खेती में खरपेहवार रासायनिक खादों का अधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। इससे हमारी खेती का जो नुकसान पिछले कई सालों में नहीं हुआ, वह चार-पांच निकासों में हो गया। आज के खेतों में इसी पर बात करना पड़गा, जिससे हम खेती को हरा-भरा और उपजाऊ बना सकें। मेरे पिता एक छोटे किसान थे। बचपन से ही मैं उनके साथ खेत में जाता रहता था। मैंने बिना रासायनिक खेती भी देखी है, जब खेतों में केंचुआ, भूरे, तितलियां हुआ करती थीं, और रासायनिक खेती भी देखी है, जहां चावल और धान के बराबर हैं। एक दिन एक पड़ोसी किसान ने मुझे बातचीत में बताया कि उनके खेत में फ़सल नहीं हो रही है। मैंने उनसे इसका कारण जानने की कोशिश की, तो बताया कि ज्यादा रासायनिक खाद से उसके खेती की मिट्टी का उपजाऊपन खत्म हो गया। यह स्थिति सिर्फ़उसी किसान की नहीं है, कई किसान इस समस्या से जूझ रहे हैं। मुझे लेखन के सिलसिले में देश के कई कोनों में जाने का और वहां के किसानों से मिलने और बात करने का मौका मिला है। उन्होंने मुझे बताया कि खेती की उर्वरा शक्ति धीरे-धीरे कम होती जा रही है। उन्हें धीरे-धीरे रासायनिक खाद, कीटनाशकों की मात्रा बढ़ानी पड़ती है। कई बार तो इससे भी उपज नहीं बढ़ती है। दरअसल, मिट्टी कोई मृत वस्तु नहीं बल्कि जीवित संरचना है। इसमें प्राकृतिक रसायनों के साथ असंख्य जैव पदार्थ हैं। इसमें अनगिनत जीव-जंतु, बैक्टीरिया, फ़ंफ़ूर, शैवाल आदि मौजूद हैं। ये जैव पदार्थ या सूक्ष्म जीवाणु मिट्टी में ही पोषित और बढ़ते जाते हैं और सभी मिल-जुलकर अपना-अपना काम चुपचाप निरुस्वार्थ भावना से करते रहते हैं, जिससे मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बनी रहती है। अच्छी मिट्टी बनने में कई साल का समय लगता है और उतना ही समय बंजर जमीन की जगह लेने में उसे लगता है। मिट्टी में जीवन सूक्ष्म जीवाणु प्रदान करते हैं और वे ही फ़सल की बढ़वार में मददगार होते हैं। मिट्टी का जीवन उसमें प्रवाहित वायु और जैव पदार्थों की मात्रा पर ही निर्भर करता है। जैव पदार्थों की मात्रा इस बात पर निर्भर करती है कि मिट्टी में वायु की प्रचुरता, जल ग्रहण और जल निकासी ठीक ढंग से हो। मिट्टी में मौजूद ये सूक्ष्म जीव जैव पदार्थों को गलाकर उसको पौष्टिक मृदा में परिवर्तित कर देते हैं। यह पौष्टिकता-संपन्न मृदा ही भूमि की ऊपरी सतह बनाती है और यही जमीन का सबसे उर्वर भाग होता है। कृषि में मिट्टी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कृषि इसी पर आधारित है। भूमि की उचित देखभाल न होना उत्पादकता की कमी का एक प्रमुख कारक है।

“

दो साल पुरानी एक राजनीतिक पार्टी के लिए यह एक शानदार शुरुआत थी। अधिकांश उम्मीदवार अज्ञात नाम और चेहरे थे और कुछ ने ही प्रचार किया। उम्मीदवार हर जगह ‘विजय’ थे। विजय के कुछ छोटे भाषण, वीडियो मीम्स और कई फ़िल्मी गाने ही ‘प्रचार’ थे। टी.वी.के. को साधारण बहुमत से 11 सीट कम मिलीं

”

“



(मूल बांग्ला आलेख - मोहम्मद सलीम, अनुवाद - संजय पराते)
 क्या हमारे देश के कम्युनिस्ट गैर-भारतीय हैं? यदि नहीं, तो फिर कम्युनिस्टों से ज्यादा भाजपा के तेज रफ़्तार विस्तार होने का दावा कौन कर सकता है? 1921 में, कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में, कम्युनिस्ट ही थे, जिन्होंने सबसे पहले पूर्ण स्वतंत्रता की माँग उठाई थी — जिसका आह्वान मौलाना हसरत मोहानी और स्वामी कुमारानंद ने किया था। इसके अगले वर्ष, गया अधिवेशन में, कम्युनिस्टों ने फिर से यह माँग उठाई थी। उस समय गांधीजी इससे नाराज हुए थे। आठ साल बाद, 1929 में, कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन ने आखिरकार पूर्ण स्वराज (पूर्ण स्वतंत्रता) के आह्वान को स्वीकार कर लिया। 1931 में, कराची अधिवेशन ने एक स्वतंत्र भारत की रूपरेखा तैयार कर ली। आजादी की लड़ाई और आंदार भारत को गढ़ने में कम्युनिस्टों ने एक निर्णायक भूमिका निभाई - उन्होंने कई अहम मुद्दों को राष्ट्रीय एजेंडा अहम मुद्दों को राष्ट्रीय एजेंडा में शामिल करवाया, बेमिसाल कुर्बानियों दीं और अपनी जान न्योछावर करते हुए शहीद हुए। इस अहम तथ्य पर गौर करें -- 1943 में बंबई में हुई कम्युनिस्ट पार्टी के पहले महाधिवेशन में, 15,563 सदस्यों की नुमाईंदगी करने वाले 139 प्रतिनिधियों ने कुल मिलाकर 411 साल जेल में बिताए थे। सीधे शब्दों में कहें तो - पार्टी को नेताओं ने अपनी सियासी जिंदगी का आधे से ज्यादा हिस्सा सलाखों के पीछे बिताया था। मिसाल के तौर पर, कल्पना दत्ता और कमला कर्तजी, दोनों को ही साढ़े सात साल जेल में रहना पड़ा था। जिस वक़्त कांग्रेस का अधिवेशन चल रहा था, उस समय भी पार्टी के 695 सदस्य जेल में बंद थे —जिनमें से 105 सदस्य उम्र कैद की सजा काट रहे थे। आजादी के बाद, नए भारत के निर्माण से जुड़ी हर बड़ी बहस में कम्युनिस्ट मौजूद रहे। उन्होंने जमीन के अधिकारों का मुद्दा उठाया

— और तेभाग से लेकर तेलंगाना तक, जमींदारों और जागीरदारों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने भूमि सुधार के मुद्दे को राष्ट्रीय एजेंडे में शामिल करने के लिए दबाव डाला। उन्होंने भाषाई विविधता को मान्यता दिलाने और भाषाई आधार पर राजनीतिक सीमाओं को फिर से तय करने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने भारत की संघीय संरचना और केंद्र-राज्य संबंधों तथा सामाजिक न्याय और धर्मानरपेक्षता के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 1931 की शुरुआत में ही, कम्युनिस्ट पार्टी ने अपने %झाफ़ प्लेटफ़ॉर्म ऑफ़ एक्शन% में सबसे पहले जाति व्यवस्था और छुआछूत को खत्म करने की मांग की थी। तो फिर देशद्रोही कौन हैं? और देशभक्त कौन हैं? क्या सावरकर और बाजपेयी देशभक्त थे, जिन्होंने अंग्रेजों के प्रति वफ़ादारी की कसमें खाई थीं? क्या वे लोग देशभक्त थे, जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के साथ विश्वासघात करके उन्हें अंग्रेजों के हवाले कर दिया था? या फिर भगत सिंह और लक्ष्मी सहगल देशभक्त थे? क्या वे लोग देशभक्त हैं, जिनका स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान नहीं था, बल्कि असल में उन्होंने तो अंग्रेजी राज की मदद ही की? या फिर खुदीराम बोस, सूर्य सेन और कल्पना दत्ता देशभक्त थे? क्या वह %संघ% देशभक्त था, जिसने अंग्रेजों के शासन में सक्रिय रूप से उनकी मदद की थी — या फिर वे मुस्लिम देशभक्त हैं, जिन्होंने अंग्रेजों के शासन के खिलाफ़ लड़ाई लड़ी थी और अपना खून बहाया था? क्या सिद्धू, कान्हू और बिष्णु मुंडा — और उनके साथ अनगिनत अन्य आदिवासी — देशभक्त नहीं थे? क्या वे लोग असली गद्दार नहीं हैं, जो भारत के सार्वजनिक उद्योगों को विदेशी खरीददारों को कोड़ियों के भाव बेच रहे हैं — और साथ ही जल, जंगल और खदानों की बेरोकटोक लूट की इजाजत दे रहे हैं? क्या वे लोग देश के साथ गद्दारी नहीं कर रहे हैं, जो करोड़ों रुपयों के कर-राजस्व को गायब करने की साजिश रचते हैं और जो अपनी अवैध संपत्ति विष्णार देश से फ़रार हो जाते हैं? असली बात यह है कि कम्युनिस्ट एक ही समय में देशभक्त भी होते हैं और अंतर्राष्ट्रीयतावादी भी। अपने देश के प्रति प्रेम और दुनिया भर के

मेहनतकश लोगों के साथ एकजुटता के बीच कोई अंतर्विरोध नहीं है। माओ नहीं, बल्कि नशे के लिए होता है। और रवींद्रनाथ, पात्र बिमला के माध्यम से, निखिलेश के इस दुष्टिकोण को व्यक्त करते हैं -- उन्होंने कहा - मैं अपने देश की सेवा करने के लिए तयार हूँ, लेकिन जिसकी मैं आराधना करूँगा, वह देश से कहीं ऊपर है। यदि मैं स्वयं देश की ही आराधना करूँ, तो देश का विनाश हो जाएगा। सी. गिरोह का सवाल यह है - मार्क्स, एंगेल्स, लेनिन और स्टालिन के चित्र क्यों होने चाहिए? हमारी पार्टी के राज्य कार्यालय में, सचिवमंडल के बैठक कक्ष में, इनमें से किसी का भी चित्र नहीं है। वहाँ केवल रवींद्रनाथ का चित्र है — जिसे किसी ओर ने नहीं,



प्रेम में असहमति और विरोध की गुंजाइश होती है। इसके विपरीत, भक्ति का अर्थ है ऑख़ मूँदकर आज्ञा मानना — बिना कोई सवाल किए पूरी तरह से समर्पित हो जाना। हम प्रेम के पक्ष में हैं, न कि ऑख़ मूँदकर की जाने वाली किसी भक्ति के। अपने देश के प्रति सच्चा प्रेम सम्पूर्ण का भाव है — न कि दूसरों के प्रति नफ़रत या हिंसा का भाव। ठीक उसी देश में, जहाँ %जहाँ भय-मुक्त है मन% लिखा गया था, अब आबादी के एक बड़े हिस्से से यह उम्मीद की जा रही है कि वे अपना सिर झुकाएँ और शासक के आदेशों का पालन करें। अपने उपन्यास %घरे बाड़े% (घर और दुनिया) में, पात्र निखिलेश यह टिप्पणी करते हैं - जो लोग अपने देश के प्रति प्रेम जताने के लिए %मौ,

मौ!% चिन्तते हैं और प्रार्थनाएँ गाते हैं — उनका प्रेम वास्तव में देश के लिए नहीं, बल्कि नशे के लिए होता है। और रवींद्रनाथ, पात्र बिमला के माध्यम से, निखिलेश के इस दुष्टिकोण को व्यक्त करते हैं -- उन्होंने कहा - मैं अपने देश की सेवा करने के लिए तयार हूँ, लेकिन जिसकी मैं आराधना करूँगा, वह देश से कहीं ऊपर है। यदि मैं स्वयं देश की ही आराधना करूँ, तो देश का विनाश हो जाएगा। सी. गिरोह का सवाल यह है - मार्क्स, एंगेल्स, लेनिन और स्टालिन के चित्र क्यों होने चाहिए? हमारी पार्टी के राज्य कार्यालय में, सचिवमंडल के बैठक कक्ष में, इनमें से किसी का भी चित्र नहीं है। वहाँ केवल रवींद्रनाथ का चित्र है — जिसे किसी ओर ने नहीं,

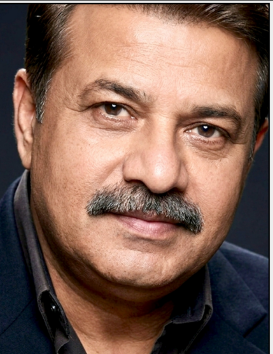
जरूरत है — कम्युनिस्ट पार्टी के शुरुआती सालों में, इसमें शामिल होने वाले ज्यादातर लोग पढ़े-लिखे, मध्यम-वर्ग के, या तुलनात्मक रूप से संपन्न लोग थे। नतीजन, राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम अक्सर रूसी, यूरोपीय या अंग्रेजी मॉडलों से प्रेरणा लेते थे। अगर पार्टी का आधार किसानों और मजदूरों के बीच ज्यादा मजबूत होता, तो शायद क्लास रुम मॉडल कभी सामने ही नहीं आता। जहाँ किसान आंदोलन मजबूत थे, वहाँ नामों में भी इसकी झलक मिलती थी — जैसे कृष्क प्रजा पार्टी, महाराष्ट्र की किसान और मजदूर पार्टी। अखबारों के नाम थे — लागल (हल), नवयुग, धूमकेतु, स्वाधीनता। फिर भी, रसे गए गीत अक्सर भाटियाली,

रोजमर्रा की बोलचाल से ली गई हो। केरल और पश्चिम बंगाल में, यह काफ़ी हद तक किया गया। बंगाल में, जुलूस, सुबह की प्रभात-फेरी, सामूहिक गायन, फूलों की वर्षा, और स्वागत के तौर पर माथे पर चंदन का टीका — जिसमें महिलाएँ लाल किनारी वाली साड़ियाँ पहनती हैं और पुरुष स्वयंसेवक सफ़ेद पंजामा-कुर्ता — ये सभी बंगाली संस्कृति का हिस्सा हैं। खाकी निकर, फुल पैंट या हाथ में लाटियाँ और त्रिशूल— इनमें से कोई भी चीज़ किसी भी भारतीय परंपरा का हिस्सा नहीं है। सच तो यह है कि हम लोगों को अभी भी एक लंबी दूरी तय करनी है। भारतीय संस्कृति को किसी एक धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं किया जा सकता। कोई

भी ऐसी प्रथा, जो हमें जकड़ती हो, हम उसका बोझ नहीं ढोएंगे। हमें उसे त्याग देना चाहिए। और जो कुछ भी हमें आगे बढ़ता है — हम उसे अपने सुनहरे धागे की तरह अपनाएँगे और अपने आवरण के माध्यम से उसका प्रसार करेंगे। और इस तरह, हम एक बार फिर रवींद्रनाथ के साथ अपनी बात का समापन करते हैं। उनकी समझ यह थी - भारतीय सभ्यता बहु-स्तरीय है। किसी एक परत को अलग करके उसे ही भारतीय परंपरा का संपूर्ण रूप घोषित कर देना एक भूल

है। इसके अलावा, भारतीय—यानी पूर्वी सभ्यता — और पश्चिमी सभ्यता के बीच कोई बुनियादी विरोध नहीं है ; बल्कि, उनके बीच एक गहरा जुड़ाव और संबंध मौजूद है। इसलिए, हमें खुले मन से निगोय लेना चाहिए। जो कुछ भी हमें आनंद देता है — चाहे उसका उद्गम कहीं भी हो — वह हमारा ही है। और जो कुछ भी दोषपूर्ण है, उसे हमें केवल इसलिए स्वीकार नहीं कर लेना चाहिए कि वह हमारी अपनी ही धरती से उपजा है। (अमर्त्य सेन, नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के बाद शांतिनिकेतन में दिया गया भाषण)। हम भी यही विश्वास रखते हैं/ अपने खोल से बाहर निकलो./ खुले में आकर खड़े हो जाओ ./ अपने हृदय की भीतर ही तब सुनोगे/ सम्स्त संसारों की प्रतिध्वनि।

लहू से सींचा है भाजपा कार्यकर्ताओं ने बंगाल में कमल



शशांत तिवारी

कुछ लोग आज भी इस गलतफ़हमी में जी रहे हैं कि बंगाल में भाजपा को सत्ता चुनाव आयोग ने

थाली में परोसकर दे दी। उन्हें लगता है कि एवीएम , केंद्रीय बल या दिल्ली का दखल भाजपा को जिताने गया। मगर ये बात कबने वाले न तो बंगाल की जमीन जानते हैं, न यहां की लड़ाई। क्योंकि बंगाल का कमल बैलेट से पहले खुन से खिला है।

2011 से 2025 तक बंगाल में भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता मारे गए। किसी को बम से उड़ाया गया, किसी को पेड़ से लटकाया गया, किसी की लाश नदी में मिली। हजारों घर फूट दिए गए। नंदीग्राम हो या बीरभूम, कूचबिहार हो या बशीरहाट, चुनाव के बाद बदले के नाम पर पूरे-पूरे गाँव खाली करवा

दिए गए। सिर्फ़ इसलिए कि उन्होंने भाजपा को वोट दिया था। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं तक को नहीं बख़शा गया।

बलात्कार को राजनीतिक हथियार बनाया गया, ताकि यहां के लोगों में डर बिठाया जा सके। 2021 के चुनाव बाद हुई हिंसा पर हाईकोर्ट तक को सीपीआई जांच का आदेश देना पड़ा। सोचिए, जिस पार्टी के बूथ अध्यक्ष की लाश सुबह पेड़ से लटकी मिले, दोपहर के उषाक बेटा उसी बूथ पर एजेंट बनकर बैठा है, वो मनोबल सिर्फ़, ईवीएम से नहीं आता। जिस महिला का घर जला दिया गया, वो अगले चुनाव में फिर झंडा लेकर

गली-गली घूमती है, वो हिम्मत चुनाव आयोग नहीं देता। बंगाल में, 34 साल के वया शासन और फिर 15 साल के ममता राज के शासन में जो दहशत का माहौल बनाया गया, भाजपा के कार्यकर्ता ने उसे अपनी छाती पर झेला।

मुकदमे, जेल, सामाजिक बहिष्कार, रोजगार छिनना- ये सब सहा। बंगाल में 15 साल की कठोर तपस्या के बाद, अब जाकर फूल खिला हैं। 2011- 1 विधायक 2016:- 3 विधायक 2019 लोकसभा- 18 सांसद, पूरे देश में हड़कप 2021 विधानसभा- 77 विधायक, मुख्य विपक्ष 2024

लोकसभा- 20+ सीटें 2026 विधानसभा- 207 सीट के साथ सत्ता हासिल की। ये ग्राफ़ एक दिन में नहीं बना। ये उन मांओं का इंतज़ार है जिन्होंने बेटों की तेरहवीं पर कसम खाई थी, कि ये लड़ाई रुकनी नहीं चाहिए। ये उन बरिंतयों के हजारों लोगों का सव्र है, जो 10 साल रिलीफ़ कैप में रहे, लाखों परेशानियां झेली पर मगर झुके नहीं। जो नासमझ, कहते हैं चुनाव आयोग ने बंगाल जिता दिया, वो उन कबीर पर जाएं जहां भाजपा का झंडा ओढ़े कार्यकर्ता सो रहे हैं। उन जले हुए घरों की राख छूकर देखें। उन महिलाओं की आँखों में देखें जिन्होंने

सबकुछ खोकर भी भाजपा (कमल) नहीं छोड़ी। बंगाल में सत्ता किसी मशीन से नहीं मिली। यहां एक-एक वोट के पीछे एक-एक कुर्बानी है। 15 साल तक खुन-पसीना बहाने के बाद, लाशें गिनने के बाद, तब जाकर आज बंगाल में कमल खिला है। ये सत्ता दिल्ली से नहीं, बंगाल की गलियों से निकली है, और इसे कोई गलतफ़हमी में चुनाव आयोग का भाजपा को गिफ़्ट कह दे, तो ये उन शहीदों का अपमान है, जिन्होंने बंगाल में लोकतंत्र की कीमत अपने प्राण देकर चुकाई हैं। (लेखक राजनीतिक समीक्षक एवं स्वतंत्र पत्रकार हैं)

बावजूद, भाजपा ने संसद में निम्नलिखित विवादास्पद विधेयक पारित किए हैं।-वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025,-जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय (संशोधन) अधिनियम, 2025,-कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 और –राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025। अन्य विवादास्पद विधेयक आने वाले हैं, जिनमें अलोकतांत्रिक ‘एक राष्ट्र, एक चुनाव’ विधेयक भी शामिल है। संख्या बल की कमी के बावजूद, भाजपा ने महिलाओं के आरक्षण के लिए एक विधेयक को निरस्त करने और फिर से अधिनियमित करने के लिए विवादास्पद सविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया, जिसे सितम्बर 2023 में पारित किया गया था। नए विधेयक का वास्तविक उद्देश्य परीसीमन को आगे बढ़ाना और प्रत्येक राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या को बदलना था। यह विधेयक इंडिया ब्लॉक द्वारा हरा दिया गया था। यदि भाजपा अपनी जीत का सिलसिला जारी रखती है, तो सरकार संसदीय प्रणाली के आवरण में एक सत्तावादी राज्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए सविधान में संशोधन करने का प्रयास करेगी। भाजपा का अगला लक्ष्य एक एकात्मक सविधान (संघवाद को दफ़नाना), एक प्रमुख विचारधारा के रूप में

हिंदुत्व (धर्मनिरपेक्षता को दफ़नाना), आर्थिक मॉडल के रूप में पूंजीवाद (कल्याणकारी राज्य को दफ़नाना) और अंततः एक-दलीय राज्य (लोकतंत्र को दफ़नाना) होगा। विपक्षी दलों को मजबूती से पीछे धकेलना होगा। भाजपा रूढ़िवादी छ्कव होगी। भारत को एक लोकतांत्रिक, संघीय और धर्मनिरपेक्ष देश बने रहने के लिए अन्य राजनीतिक विकल्प और विकल्प संरक्षित किए जाने चाहिए।

इंडिया ब्लॉक ने 2024 में आर्थिक सफ़्ताता हासिल की लेकिन उस गति को आगे बढ़ाने में विफ़ल रहा। ब्लॉक संघर्ष करता और लड़खड़ाता हुआ प्रतीत होता है लेकिन भाजपा को चुनौती देने का यह एकमात्र साधन है। चुनाव के बाद, ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस) ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का वादा किया है। एम.के. स्टालिन (द्रमुक) ने ब्लॉक के खिलाफ़ एक भी शब्द नहीं कहा। उनके पिछले बयानों (‘भाजपा मेरी वैचारिक दुश्मन है’) से, विजय (टी.वी.के.) को ब्लॉक में खींचना संभव हो सकता है। यह सच है कि ब्लॉक के घटकों के बीच मौलिक मतभेद हैं लेकिन इन मतभेदों को राज्य-स्तर तक सीमित रखा जाना और राष्ट्रीय-स्तर पर एकता कायम की जानी चाहिए। इसके लिए तत्परता, संवाद और दृढ़ता की भावना की आवश्यकता होगी।

क्या कम्युनिस्ट देशद्रोही होते हैं?

शुक्लागंज विधायक ने 314 श्रद्धालुओं को अयोध्या भेजा
 उत्राव। शुक्लागंज स्थित डी0एस0एम0 कॉलेज से सदर विधायक पंकज गुप्ता ने लगभग 3१4 श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। यह यात्रा श्पंकज गुप्ता श्रवण कुमार तीर्थटन यात्राश् के तहत आयोजित की गई थी, जिसे विधायक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा निजी संसाधनों से संचालित होती है और इसका उद्देश्य समाज में भक्ति तथा सेवा के मार्ग को बढ़ावा देना है। इसे प्रभु श्रीराम की कृपा और बुजुर्गों के आशीर्वाद से निरंतर जारी रखा जा रहा है। इस अवसर पर सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह क्षण उनके जीवन का एक अमूल्य और अविस्मरणीय अनुभव है। विधायक ने बताया कि उन्हें बड़े-बुजुर्गों और समाज के देवतुल्य लोगों को अयोध्या धाम की यात्रा कराने का माध्यम बनने का अवसर मिला है। उन्होंने इसे अपना सौभाग्य बताया और कहा कि यह पुण्य कार्य सभी के स्नेह और आशीर्वाद से संभव हो पाया है। कार्यक्रम स्थल पर श्रद्धालुओं के जयघोष, भक्ति-संकीर्तन और प्रभु श्रीराम के मंगल नाम से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुरेश शुक्ला, कमल वर्मा, सभासद प्रत्यय गुप्ता, आशुतोष शुक्ला, रमेश सिंह, विश्‍नाथ दुबे, अनिल पाण्डेय, महेश शुक्ला, सूर्यकुमार बाजपेई, ओ0पी0 मिश्रा, भरत तिवारी, सचिन बाजपेई, अमरेंद्र गुप्ता, मनोज त्रिवेदी और ओमप्रकाश सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गौर इन्द्रदत्तन हत्या का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार
 उत्राव। जिले की सफ़ैपुर पुलिस ने गैर इन्द्रदत्तन हत्या के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। यह मामला 27 अप्रैल 2026 को दर्ज किया गया था। सफ़ैपुर थाना में प्रेम पुत्र सुरेश निवासी मोहिखेड़ा की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त शिवकुमार उर्फंगू को गंदा नाला पुलिसिया, सफ़ैपुर- उत्राव रोड से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को माननीय न्यायालया के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान शिवकुमार उर्फंगू पुत्र रमेश के रूप में हुई है, जो मोहिखेड़ा कस्बा व थाना सफ़ैपुर, जनपद उत्राव का निवासी है। उसकी उम्र लगभग 40 वर्ष बताई गई है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष सुव्रत नारायण, उपनिरीक्षक योगेन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल राधेवेंद्र गुर्जर और कांस्टेबल समरबहादुर सिंह शामिल थे।

गांव के खेतों में लगी आग,ग्रामीणों की तय्यरता से टला बड़ा हादसा
 उत्राव। सुमेरपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम जपसरा के नहर के पास खेतों में रविवार दोपहर अज्ञात कारणों से आग लग गई। ग्रामीणों की सूझबूझ और कड़ी मशक़त के बाद समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि या बड़े आर्थिक नुकसान की खबर नहीं है। चिलचिलाती धूप और तेज हवाओं के बीच आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। खेतों से धुएं का गुबार उठता देख ग्रामीण तुरंत मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दी और खुद भी बचाव कार्य में जुट गए। फ़कर ख़िगेड के पहुंचने का इंतज़ार किए बिना, ग्रामीणों ने निजी संसाधनों का उपयोग शुरू किया। आग को रिहायशी इलाके और अन्य खड़ी फ़सलों की ओर बढ़ता देख ग्रामीणों ने आनन-फ़ानन में पास के खेतों में स्थित पानी के इंजन चालू कर दिए। दर्जनों ग्रामीणों ने मिलकर पानी की बोझें डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक़त के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि जिस समय आग लगी, उस समय आसपास कोई बड़ी फ़सल या सामान नहीं थी, अन्यथा नुकसान का आंकड़ा बढ़ सकता था। फ़िन्हाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है।

विधायक-एसडीएम ने कटान स्थल का निरीक्षण किया
 उत्राव। रविवार शाम चार बजे विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक फ़ोहेपुर चौरासी में विधायक श्रीकांत कटियार और एसडीएम बुजेंद्र मोहन शुक्ला ने शिवराजपुर-हिन्दूपुर मार्ग पर कटान स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र की स्थिति और जनसमस्याओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, संबंधित अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की गई। आमजन की सुविधा और क्षेत्रीय हित को ध्यान में रखते हुए, त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर सिवाई विभाग के अधिशाषी अभियंता दीपक यादव, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता सुबोध कुमार, उपजिलाधिकारी बांगरसऊ बुजमोहन शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख फ़ोहेपुर चौरासी मनोज निषाद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अतुल मिश्रा, पूर्व जिला महामंत्री सरोज सिंह चौहान, प्रधान लक्ष्मी नारायण निषाद, संजय कश्यप और गोविंद पाण्डेय सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। विधायक श्रीकांत कटियार ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना उनकी प्रतिबद्धता है।

मवेशी से टकराकर बाइक सवार पिता की मौत, बेटा गंभीर घायल
 उत्राव। माखी थाना क्षेत्र में शनिवार रात उत्राव-हरदोई मार्ग पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार पिता की मौत हो गई। मवेशी से टकराने के बाद गंभीर रूप से घायल हुए पिता-पुत्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान पिता ने दम तोड़ दिया। यह घटना डीहा गांव के पास हुई। कोरारी कला गांव निवासी 55 वर्षीय मेवा लाल लोध अपने मझले बेटे सुनील के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। तभी अचानक एक मवेशी सामने आ गया, जिससे उनकी बाइक टकरा गई। पिता-पुत्र सदर कोतवाली क्षेत्र के सीतियन खेड़ा गांव में छोटे बेटे राहुल की ससुराल में बहू सोनी के भाई अनिस की शादी में शामिल होने गए थे। शादी समाप्त हो से देर रात वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। हादसे में मेवा लाल और सुनील दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान मेवा लाल लोध की मौत हो गई। सुनील का इलाज जारी है। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक मेवा लाल के चार पुत्र सुधीर, सुनील, राहुल, दिलीप और दो पुत्रियां रमाकांती व रामश्री हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। उनकी पत्नी रामपति पति की मौत से सदमे में हैं। थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव का पोस्टमार्टम करारकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

बालाजी गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का फूटा गुस्सा



बालाजी गैस एजेंसी के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतों की जांच करने पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों के जाने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने एजेंसी के बाहर प्रदर्शन किया। नाराज लोगों ने नेशनल हाईवे-730 पर चक्काजाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ। रविवार सुबह करीब 10 बजे

कई सप्ताह पहले गैस बुकिंग कराने के बावजूद उन्हें अब तक सिलेंडर नहीं मिले हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि एजेंसी द्वारा न तो समय पर होम डिलीवरी की जा रही है और न ही गैस की उपलब्धता के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जा रही है। लोगों को रोज एजेंसी और गोदाम के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। नगर निवासी

रिवरूट आरक्षियों के लिए विशेष प्रशिक्षण गोष्ठी



उत्राव। उत्राव पुलिस लाइन सभागार में रविवार को रिवरूट आरक्षियों के लिए व्यवहारिक प्रशिक्षण पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में जनपद के विभिन्न थानों में नियुक्त रिवरूट आरक्षियों को आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी संसाधनों और जनसंपर्क से संबंधित महत्वपूर्ण

जानकारी प्रदान की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने सैनिक सम्मेलन के तहत आयोजित इस गोष्ठी की अध्यक्षता की। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक उतरी अखिलेश सिंह, क्षेत्राधिकारी सफ़ैपुर सोनम सिंह और क्षेत्राधिकारी लाइन विनी सिंह भी उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने रिवरूट आरक्षियों को व्यवहारिक

प्रशिक्षण के महत्व और फ़ैल्ड इयूटी के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण सत्र में सबसे पहले (यक्ष) ऐप के संचालन और उसके उपयोग पर जानकारी दी गई। रिवरूट आरक्षियों को समझाया गया कि इस ऐप के माध्यम से डेटा फ़ीडिंग, बीट संबंधी सूचनाएं अपलोड करने और अपराध नियंत्रण के लिए त्वरित सूचनाओं का आदान-प्रदान कैसे किया जा सकता है। अधिकारियों ने पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीक के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, बीट बुक के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीट प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए बीट बुक का उचित रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। रिवरूट आरक्षियों को सेवेदनशील स्थानों की जानकारी, अपराधियों के रिकॉर्ड और क्षेत्र भ्रमण के दौरान बरती जाने वाली

सावधानियों के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए शि्मशन शक्तिश् अभियान के तहत भी एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं से प्रभावी संवाद स्थापित

करने, उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने, हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देने और एंटी रोमियो स्कॉड की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर, ऑनलाइन ठगी, सोशल

मीडिया अपराध, फ़िशिंग और यूपीआई फ़्रैंड जैसे मामलों की पहचान और रोकथाम के उपाय भी बताए गए। अधिकारियों ने साइबर हेल्पलाइन 1930 के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया।

मजदूर का शव पेड़ से लटका मिला,घर वाले नहीं बता सके कारण
 उत्राव। जिले के अजगैन थाना क्षेत्र के हरचंदपुर गांव में रविवार सुबह एक मजदूर का शव जामुन के पेड़ से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। अजगैन थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान हरचंदपुर गांव निवासी विजय कुमार पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल के रूप में हुई है। विजय कुमार मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में एक बेटा अंशू भी है। रविवार सुबह करीब 7 बजे गांव के कुछ लोग खेतों की ओर जा रहे थे। तभी उनकी नजर गांव के बाहर स्थित जामुन के पेड़ पर लटके शव पर पड़ी। शव देखकर लोगों में हड़कंप मच गया और उन्होंने तुरंत पुलिस व परिजनों को सूचना दी। घटना की खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। विजय कुमार का शव देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में भी शोक का माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इसे आत्महत्या का मामला बताया जा रहा है। हालांकि, आत्महत्या के पीछे के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना के पीछे की वजह का पता लगाया जा सके। थाना अजगैन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच-पड़ताल की। शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा गया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में कोई अन्य तथ्य सामने आते हैं तो उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों के अनुसार, विजय कुमार शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और मजदूरी कर जीवनयापन करते थे। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

सपा और कांग्रेस के विरोध पर महिलाओं-युवाओं ने बुलंद की आवाज



तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ
 लखनऊ। लोकसभा में नारी वंदन अधिनियम का विरोध करने पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। 1090 चौराहे से शुरू हुआ यह प्रदर्शन इन्दरानगर स्थित सपा सांसद आर.के. चौधरी के आवास तक पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने घेराव कर विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन में महिलाओं और युवाओं की विशेष भागीदारी देखने को मिली तथा महिला सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के समर्थन में जोरदार नारे लगाए गए।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नारी वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम है और इसका विरोध महिलाओं के अधिकारों एवं सम्मान के खिलाफ है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह

के प्रतिनिधि अखिलेश सिंह सहित कई सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता प्रदर्शन में मौजूद रहे। इस दौरान जिला महामंत्री धीरू पाण्डेय, अंकित गुप्ता, जिला मंत्री मुकेश शर्मा, प्रतिभा सिंह, मंडल अध्यक्ष दल बहादुर सिंह, मोहित तिवारी, महिला मोर्चा पदाधिकारी पूजा सिंह, प्रियंका सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अवैध संबंध के शक में सूरज की हत्या अभियुक्त गिरफ्तार
 तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ
 लखनऊ। अवैध संबंध के शक में हुई सूरज की हत्या अभियुक्त अनिल यादव गिरफ्तार एक बाल अपचारी को किया गया संरक्षण में बिजनौर थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। रविवार को डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने पेसवार्क कर बताया कि पुलिस ने इस संबंध में एक अभियुक्त और एक नाबालिग बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया है आरोपियों की निशानदेसी पर हत्या में प्रयुक्त चापड़, खून लगी ईंट और मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है 9 मई को अरराफ नगर निवासी शुभम गौतम ने बिजनौर थाने में तहरीर दी थी जिसमें उन्होंने बताया था कि उनके भाई सूरज का अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी है। नागले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी साउथ ने तीन टीमें गठित की गई थी पुलिस ने लगभग 50 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए और नैनुअल इंटेलिजेंस के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाांव के दौरान, पुलिस ने शनिवार देर रात ग्राम रसूलपुर इटुरिया नाले की पुलिया के पास से आरोपी अनिल कुमार यादव और उसके नाबालिग दिशेदार को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी कृष्णा नगार रजनीश वर्मा के मुताबिक पूछताछ में आरोपी अनिल ने बताया कि उसकी मां के मृतक सूरज से पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध थे। करीब दो महीने पहले उसने दोनों को आपत्तिजनक खलत में देख लिया था। उसने सूरज को घर आने से मना किया, लेकिन वह नहीं माना। इसी बात से नाराज होकर उसने हत्या की योजना बनाई।आरोपियों ने 8 मई को सूरज को शराब पीने के बखने गांव के बाहर झील किनारे एक खाली प्लॉट पर बुलाया। वहां उसे अधिक शराब पिलाई गई। जब वह नशे में हो गया तो अनिल ने पहले से छिपाकर लाए गए चापड़ से उस पर हमला किया, जबकि नाबालिग साथी ने ईंट से उसके सिर पर वार किए। दोनों ने तब तक हमला किया जब तक सूरज की मौत नहीं हो गई।वारदात के बाद आरोपियों ने खून लगे कपड़े धोकर दोबारा पहन लिए और एक शादी समारोह में शामिल हो गए ताकि किसी को शक न हो दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या साक्ष्य गिटाते और आन्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पासापुर-जरौली लिंक इंटरलॉकिंग में गड़बड़ी का आरोप,ग्रामीणों ने किया विरोध

बाराबंकी। त्रिवेदीगंज विकासखंड अंतर्गत पासापुर से जरौली लिंक मार्ग पर मंडी परिषद द्वारा स्वीकृत इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य विवादों में धिर गया है। लंबे समय से जलभराव की समस्या से जूझ रहे इस मार्ग पर शुरू हुए निर्माण कार्य में ग्रामीणों ने ठेकेदार पर मानकों की अनदेखी और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार, मंडी परिषद द्वारा इस मार्ग पर 200 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण की स्वीकृति दी गई थी, ताकि क्षेत्रवासियों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा निर्धारित लंबाई से कम कार्य किया जा रहा है और निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि कार्य में



न केवल दूरी में कटौती की जा रही है, बल्कि सड़क की गुणवत्ता भी मानकों के अनुरूप नहीं है, जिससे यह आशंका बनी हुई है कि सड़क

जल्द ही क्षतिग्रस्त हो सकती है। मामले को लेकर किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सोरभ अवस्थी और समाजसेवी नीराज वर्मा के नेतृत्व में

विहीन कार्य किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बदशिर नहीं किया जाएगा।57 वही समाजसेवी नीराज

सैकड़ों ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने निर्माण कार्य की जांच और तत्काल सुधार की मांग की। सोरभ अवस्थी ने आरोप लगाते हुए कहा कि फ़सरकार की जनता की सुविधा के लिए बजट देती है, लेकिन ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से मानक निर्धारित मानकों का पालन नहीं हुआ, तो वे उच्चाधिकारियों से लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग करेंगे।

36 वर्षों के इंतजार के बाद शांतिनगर स्थित संत थॉमस चर्च में मदर मेरी के गोरोटो का भव्य उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। संत थॉमस चर्च परिसर में रविवार को लंबे इंतजार के बाद मां मरियम के सुंदर गोरोटो (प्रार्थना स्थल) का भव्य उद्घाटन श्रद्धा और भक्तिभाव के वातावरण में सम्पन्न हुआ। लगभग 36 वर्षों के इंतजार के बाद तैयार हुए इस गोरोटो के उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग उपस्थित रहे। पूरे परिसर में धार्मिक आस्था, प्रार्थना और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस विशेष अवसर पर चर्च के पल्ले पुरोहित एवं संत थॉमस कॉलेज के प्रिंसिपल श्रद्धेय फादर क्लॉफर्ड लोबो के अथक प्रयासों की सभी ने सराहना की। उनके नेतृत्व और निरंतर प्रयासों से मां मरियम का यह सुंदर घर बनकर तैयार हुआ, जिसका सपना चर्च समुदाय वर्षों से देख रहा था। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने इसे चर्च के इतिहास का महत्वपूर्ण और भावनात्मक क्षण बताया। गोरोटो का उद्घाटन स्टेंट मैनेजर श्रद्धेय फादर रोनाल्ड डिसूजा द्वारा विधिवत किया गया। उद्घाटन से पूर्व चर्च में माला-विनती और विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ,



जिसमें श्रद्धालुओं ने शांति, प्रेम और मानवता के लिए प्रार्थना की। इसके बाद धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ गोरोटो का लोकार्पण किया

गया। उद्घाटन के समय पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने मां मरियम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। समारोह के दौरान अमर गीतकार एंथोनी दीपक के सुपुत्र अरुण एंथोनी ने बताया कि इस गोरोटो में लुट्टे के स्वरूप में मां मरियम की प्रतिमा स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि ईसाई समुदाय के विश्वास और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है। मां मरियम की प्रतिमा को बेहद आकर्षक और

भक्तिमय बना दिया। संगीत मंडली के सदस्य मि. पिनांक, मि. अजीत, श्रीमती रीना, श्रीमती निर्मला, श्रीमती कैथरीन, सिस्टर जेनिफर एवं सिस्टर सीरीन ने अपने मधुर भजनों और धार्मिक गीतों से उपस्थित लोगों को आध्यात्मिक वातावरण से जोड़ दिया। श्रद्धालु भी गीतों और प्रार्थनाओं में शामिल होकर भावनात्मक रूप से कार्यक्रम का हिस्सा बने। समारोह के दौरान मि. डेविड लकड़ा ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का स्वागत किया, जबकि डॉ. नीता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह गोरोटो आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था, शांति और प्रार्थना का केंद्र बनेगा। इस अवसर पर मि. के. जे. जोसेफ, मिसेज एंजिल, रीता मैसी, मिसेज गुलशन, अनुपमा राज, संजय कुंजूर, पॉलिन फ्रांसिस, मिसेज अंशुमाला, मि. रूजने अमित मैसी सहित बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने मां मरियम के गोरोटो में मोमबत्तियां जलाकर प्रार्थना की और चर्च परिसर में आध्यात्मिक एकता एवं भाईचारे का संदेश दिया।

बाज़ार खाला गोलीकांड का आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ



लखनऊ। बाजारखाला थांना क्षेत्र के मेहंदीगंज में युवक को गोली मारने की घटना का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी वैभव बाजोई उर्फ कौस्तुभ बाजोई को गिरफ्तार कर लिया। घायल चेतन तिवारी का ट्रॉमा सेंटर में उपचार जारी है पुलिस के अनुसार 9 मई की रात पुरानी रजिश्त के चलते आरोपी ने चेतन तिवारी पर जान से मारने की नीयत

से फायरिंग की। घटना में बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य व्यक्ति पर भी गोली चलाई गई, हालांकि वह सुरक्षित बच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज व प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी पर घटना में प्रयुक्त अवैध असलूह भी बरामद किया गया है। पीड़ित की पत्नी की तहरीर पर हत्या के प्रयास,धमकी और एससी/एसटी एक्ट समेत संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अन्य नामजद आरोपियों की तलाश और मामलों की विवेचना में जुटी है।

यूरिया मिश्रित अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। चोलापुर पुलिस ने अवैध यूरिया मिश्रित कच्ची शराब बनाने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्यबिर की सूचना पर धरमपुर बेला स्थित ईई भट्टे पर छापेमारी कर अमोवास (25), राजकुमार (30) निवासी रैनालूना थांना चोलापुर तथा सुशील उरांव (46) निवासी लोहरदगा, झारखंड को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त भट्टे पर अवैध शराब तैयार कर उसमें यूरिया व अन्य पदार्थ मिलाकर उसकी तैयारी करते थे। मौके से 50 लीटर यूरिया मिश्रित कच्ची शराब, 1250 लीटर लहन, 300 ग्राम यूरिया तथा शराब बनाने के उपकरण बरामद किए गए। बरामद लहन को मौके पर ही जाट कर दिया गया।इस संबंध में थांना चोलापुर में गु.अ.सं. 0177/2026, धारा 60(2) आबकारी अधिनियम एवं धारा 274 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रमारी निरीक्षक सधुबन राम गौतम, उपनिरीक्षक चन्दन कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मि शामिल रहे।

डीपीएस काशी में स्कॉलर बैज सेरेमनी का भव्य आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी



वाराणसी। दिल्ली पब्लिक स्कूल काशी में फ़स्कोलर बैज सेरेमनी 2025-26फ़ का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में कक्षा ढुढ़्ढ से ङ्गु तक के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए बैज एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ प्रचार्य मृगुल चौधरी एवं आकादमिक निदेशक नीलम चक्रवर्ती ने किया। विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत नृत्य एवं प्रेरणादायी समूह गीत की प्रस्तुति ने समारोह को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर प्रचार्य ने विद्यार्थियों को अनुशासन, एकता और निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हेप्पी मॉडल स्कूल में उत्साहपूर्ण मनाया गया मदर्स डे।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। हेप्पी मॉडल स्कूल में शनिवार को मदर्स डे का आयोजन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता आनन्दरमणी एवं संस्थापक मालीनी भगत के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आकर्षक कार्ड तैयार किए तथा सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में नृत्य, गीत और प्रेरणादायक भाषणों के माध्यम से बच्चों ने माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। उपस्थित माताओं ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम को विशेष बनाने के लिए लाइमे सलून की स्टूडेंटियन प्रिंदाब को आमंत्रित किया गया। उन्होंने उपस्थित माताओं की समस्याओं को सुनकर उन्हें उपयोगी सुझाव और समाधान दिए। माताओं ने इस सत्र को प्रेरणादायक एवं लाभदायक बताया। प्रधानाचार्या अर्पिता सरकार ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माताएं परिवार और समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर संयोजिका दीपा नागर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

खुशी की उड़ान ने उन माताओं के चेहरे पर मुस्कान लौटाई, जो अपनेो के इंतजार में थीं।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी



वाराणसी। मातृ दिवस के पावन अवसर पर खुशी की उड़ान संस्था द्वारा दुर्गाकुंड स्थित राजकीय वृद्धाश्रम, वाराणसी में एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने वृद्धाश्रम में रह रही माताओं के साथ समय बिताकर उनके चेहरे पर

मुस्कान लाने का प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान माताओं को उपहार भेंट किए गए, प्रेम और सम्मान के साथ मातृ दिवस मनाया गया। संस्था की टीम ने वृद्ध माताओं के साथ गीत-संगीत,नृत्य, हंसी-मजाक और आत्मीय संवाद के माध्यम से ऐसा माहौल बनाया कि पूरा वृद्धाश्रम परिचितक चेहरे से भर उठा। कई माताओं ने कहा कि कोई भी मां खुद को अकेला महसूस न करे। समाज के हर व्यक्ति को अपने जीवन में माताओं के सम्मान और सेवा के लिए आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में संस्था की टीम रिश्ते मित्रा, आर्हिल खान, रिया, प्रेमलता, प्रीति, शीतांशु, मोहित, सागर, हिमांशु, मुस्कान साहू, आशीष जायसवाल, पूनम जायसवाल अन्य उपस्थित रही साथ में बाबा जी की पादशाला से राजीव टंडन व भारती टंडन जी भी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने वृद्ध माताओं के साथ आत्मीयता से समय बिताकर मातृ दिवस को यादगार बना दिया। संस्था के इस मानवीय प्रयास की लोगों द्वारा खूब सराहना की जा रही है।

नोटिस के बावजूद सार्वजनिक रास्ता,नाली बंद पीड़िता ने एसडीएम से लगाई कार्रवाई की गुहार



तीसरा विकल्प न्यूज़

संवाददाता लखनऊ

बकौटी। बख्शी का तालाब क्षेत्र के सरकपुर सरैया गांव में सार्वजनिक रास्ते और नाली पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। गांव निवासी रेनु पत्नी पंकज ने उप जिलाधिकारी बख्शी का तालाब को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि नगर पंचायत द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बावजूद विपक्षी ने कब्जा हटाने के बजाय पक्का निर्माण

कर रास्ता और नाली को पूरी तरह बंद कर दिया है। पीड़िता ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थिनी के अनुसार उनकी शिकायत संख्या-0793 पर नगर पंचायत कार्यालय बख्शी का तालाब द्वारा 23 अप्रैल 2026 को पत्रांक-83 जारी किया गया था। इस नोटिस में पवन रावत पुत्र सत्रोहन निवासी सरकपुर सरैया को सात दिनों के भीतर सार्वजनिक रास्ते और नाली से कब्जा हटाने के बजाय पक्का निर्माण

जाएगा। पीड़िता का आरोप है कि प्रशासनिक नोटिस के बावजूद विपक्षी ने आदेश का पालन नहीं किया। इसके विपरीत मौके पर पक्की ईंटों की दीवार खड़ी कर दी गई, जिससे सार्वजनिक रास्ता और नाली पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। स्थानीय लोगों को आने-जाने और जल निकासी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेनु का कहना है कि जब उन्होंने निर्माण कार्य का

विरोध किया तो विपक्षी उनके घर पहुंच गया और अभद्र गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगा। प्रार्थिनी के मुताबिक विपक्षी ने कहा, -तुमने तहसील में एप्लीकेशन क्यों दी? मैं तुमको समझ लूंगा।- घटना के बाद से पीड़िता और उनका परिवार भय और दहशत के माहौल में जीवन व्यतीत कर रहा है। पीड़िता ने उप जिलाधिकारी से मांग की है कि सार्वजनिक रास्ते और नाली पर किए गए अवैध पक्के निर्माण को तत्काल ध्वस्त कराया जाए ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। साथ ही सरकारी आदेश की अवहेलना, धमकी और अभद्र व्यवहार के मामले में आरोपित के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। बताया जा रहा है कि मामले से संबंधित नगर पंचायत द्वारा जारी नोटिस पत्रांक-83 और जांच आख्या पत्रांक-89 भी प्रशासन को उपलब्ध कराए गए हैं। अब स्थानीय लोगों की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है।

शहादत की 21वीं शमा, जब लखनऊ में उमड़ा शहीद-ए-बाज़ार की राद में जनसैलाब

शहीद रफीक खान के बलिदान को नमन, गुँजी हक की हुंकार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। कुछ शख्सियतें अपनी मौत के बाद और भी जाँद हो जाती हैं। नक्कास की सरजूमी पर जब शहीद अब्दुल रफीक खान की 21वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए, तो वहाँ मौजूद हर शख्स की आँखों में एक चमक थी, संघर्ष की चमक और अपने हक के लिए मर-मिटने वाले उस नायक के प्रति गहरा सम्मान। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी, इसी संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, अहममदीन कुरेशी,व राजेश कपूर,आरिफ खान,सुनील कुमार तिवारी,मो वसीम, अख्तर जगम,मो शुएब,मनीष सेठ,मो मोईन,अमरनाथ शर्मा,नूरुद्दीन गुड्डू,रईस मुन्ना,धीरज गुप्ता,वकील अहमद,अनवारल हसन,जमीर अहमद,एक रूहानी गहराई तब आई जब मौलाना ने बाजार को महज़ खरीद-फरोख्त की जगह नहीं, बल्कि

%इबादतगाह% की तरह पेश किया। उन्होंने अपने शब्दों में वह वजन पैदा किया जिसने सबके दिलों को छू लिया, बाज़ार वह धागा है जो हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई को एक माला में पिरोता है। हमारी असली ताकत व्यापार नहीं, बल्कि वह साम्प्रदायिक सोहार्द है जिसे अब्दुल रफीक खान ने अपने खून से सींचा था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और व्यापारियों के संबोधन में एक अभिभावक जैसी गंभीरता थी। उन्होंने शहीद के परिवार और पूरी व्यापारी बिरादरी को ढाँढस बंधाते हुए कहा कि शहीद रफीक साहब का



आत्मदाह कोई हार नहीं, बल्कि व्यापारियों की सुरक्षा के लिए रखी गई एक मजबूत नींव थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का निर्माण ही इसीलिए हुआ है ताकि शासन-प्रशासन के सामने व्यापारियों की आवाज़ कभी कमजोर न पड़े। संगठन के अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी ने उन 39 दिनों

के संघर्ष की याद दिलाते हुए सभा में एक नई ऊर्जा भर दी। उनके वक्तव्य में वजन तब और बढ़ गया जब उन्होंने व्यापारियों को सचेत किया, हमारी एकता ही शहीद रफीक साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। 1800 दुकानदारों का यह कुनवा अगर बिखरा, तो संघर्ष कमजोर पड़ेगा। हम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के सहयोग से बाज़ारों को संवार रहे हैं, लेकिन हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारा आपसी भाईचारा है। साहब एकजान कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल वहीद फारूकी और अन्य वक्ताओं ने भी इस बात पर जोर दिया कि नक्कास का यह बाज़ार आज जिस सम्मान के साथ खड़ा है, उसके पीछे एक ईंसान की रूह का वह जलता हुआ हिस्सा है जिसने व्यापारियों के शोषण के विरुद्ध खुद को आग के हवाले कर दिया था। यह श्रद्धांजलि सभा केवल एक रस्म नहीं थी, बल्कि यह लखनऊ को उस तहजीब का प्रदर्शन था जहाँ एक शहीद के नाम पर राजनीति नहीं, बल्कि प्यार और एकजुटता की इबारत लिखी जाती है। जब तक बाज़ारों में शाम की रौनक रहेगी, शहीद अब्दुल रफीक खान का नाम वक्त की दिवारों पर जगमगाता रहेगा।

एलडीए नजूल अधिकारी प्रभाकर सिंह की मिली भगत से फलफूल रहा अवैध निर्माण/शोरूम

10 बार ध्वस्तीकरण के आदेश के बावजूद ध्वस्तीकरण तो दूर ,एलडीए नजूल अधिकारी बिल्डिंग को सील करने में भी नाकाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार लगातार भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात करती है,अवैध निर्माण के खिलाफ जबरदस्त कार्रवाई की बातें करती है तो वहीं दूसरी तरफ लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा को पार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। बताते कि राजधानी लखनऊ के थाना अमीनाबाद क्षेत्र ज़ोन 6 के अंतर्गत आने वाली गन्ने वाली में गली की तरफ से शक्ति मशीन्स के नाम पर बने हुए शोरूम तक बने हुए, अवैध निर्माण का मामला है सामने आया है,बताते कि शक्ति मशीन शोरूम जिस जमीन पर बना हुआ है। उसका नक्शा किसी जमाने में लखनऊ विकास प्राधिकरण के द्वारा पास था,लेकिन वह पुराने भवन का था,नए भवन का नहीं, जबकि बिल्डर मनीष कंसल के द्वारा गन्ने वाली गली की तरफ से एक पुराना मकान खरीद कर आगे से लेकर पीछे तक एक नये नक्शे का आवेदन लखनऊ विकास प्राधिकरण को दिया गया था। इतना ही नहीं उस नक्शे को पास करने के लिए कई बार उच्च अधिकारियों से सिफारिश भी की गई। अखबारों में भी इस बात चर्चा हुई थी, लेकिन नतीजा यह निकला कि उक्त अवैध



निर्माण के ध्वस्तीकरण का आदेश लखनऊ विकास प्राधिकरण ने वर्ष 2024 में ही भेज दिया था,लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने उक्त भवन को ध्वस्त नहीं किया। लेकिन उक्त अवैध निर्माण



की जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारी इस बात का जवाब उनके पास नहीं रहा जब चक्कर में उक्त अवैध निर्माण के संबंध में विभाग द्वारा बिल्डर मनीष कंसल को दस (10)बार

भवन को खाली करने का अंतिम निर्देश दिए जाने आख्या लगाकर मामले की मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर लीपापोली कर दी गई। फिर भी शहाल यह उठता है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा आखिर किस वजह से अवैध निर्माणकर्ता को दस बार अंतिम अवसर दिये जाने की नोटिस दी गई। लेकिन हकीकत में उक्त अवैध निर्माण/शोरूम के साथ अभी लाटूश रोड पर मौजूद है। इस मामले में जिस व्यक्ति ने जनसुनवाई के माध्यम से शिकायत की है वह लखनऊ विकास प्राधिकरण के साप्ताहिक जनसुनवाई दिवस में भी गया था। वहां पर उच्च अधिकारियों द्वारा उक्त भवन को तत्काल

गिराने में असमर्थता जताई गई,उनका कहना है कि उक्त भवन में लोग रहते हैं हालांकि इस बात का जवाब उनके पास नहीं रहा जब शिकायतकर्ता ने यह पूछ दिया कि अकबरनगर में भी लोग रहते थे फिर उसे क्यों गिराने में असमर्थता जताई गई,उनका कहना है कि उक्त भवन में लोग रहते हैं और कबतक सील करती है,या लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी मनीष कंसल से अपनी रिश्तेदारी निभाते हैं।

यूपीपीएल प्रमुख प्रमोद बोरों को हराने वाले तामुलपुर विधायक विश्वजीत दैमारी को मंत्री बनाएं। स्थानीयवासियों का सीएम हिमंत बिस्वा शर्मा को आह्वान।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। तामुलपुर विधानसभा सीट पर हाल ही समाप्त हुए 2026 असम विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार विश्वजीत दैमारी ने युनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के अध्यक्ष और बीटीसी के पूर्व सीईएम प्रमोद बोरों को 26,743 वोटों से हराकर शानदार जीत दर्ज की है। रिजल्ट डेटा के अनुसार दैमारी को कुल 89,308 मत मिले, जबकि यूपीपीएल प्रमुख बोरों को 62,565 वोट मिले। यह तामुलपुर की इतिहास में बीजेपी की पहली बार की बड़ी जीत है, जिसने बोडोलेंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में राजनीतिक तस्वीर बदल दी है। इस भारी जनादेश के बाद तामुलपुर जिले के निवासियों ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा से सीधे आह्वान किया है कि विधायक विश्वजीत दैमारी को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। स्थानीय सगठनों के नेताओं के साथ मिलकर किसान, व्यापारी, युवा और कई महिला समूहों ने सीएम से दैमारी को वन विभाग, पर्यावरण, गामीण विकास या स्थानीय वनटा संबंधी विभाग का मंत्री पर दिए जाने की मांग की है। स्थानीय नेताओं का कहना है कि तामुलपुर जैसे सीमावर्ती

और वन-प्रधान क्षेत्र में उचित नेतृत्व के बिना विकास योजनाएं लंबित रहती हैं। 55 वर्षीय विश्वजीत दैमारी पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षा के अनुभार योग्य हैं और चुनावी खर्च



विवरण में उनकी कुल संपत्ति लगभग 7.3 करोड़ रुपये और देनदारों 1 करोड़ रुपये दिखाई गई है, जिसमें कोई चलित मामला नहीं है। चुनाव अभियान के दौरान दैमारी ने सड़कों, बिजली, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के लिए विस्तृत विकास वादे किए, जिस पर मतदाताओं ने भरोसा जताया। स्थानीय लोगों ने बताया, फ़दैमारी ने यूपीपीएल के प्रमुख को बुरी तरह स्पाउट साबित कर दिया कि जनता अब विकास-आधारित नीतियों के साथ जाना चाहती है। इस जीत के बाद उन्हें मंत्री बनाकर तामुलपुर के लिए निर्माण

योजनाएं तेज की जानी चाहिए।55 मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने चुनाव परिणामों के बाद बीजेपी-एनडीए की 126-सीटों में से 102 सीटों पर जीत का जिक्र करते हुए कहा कि यों व य विधायकों को मौका दिया जा ए ग ।। त।म।ल।प।र जैसी सीट पर यूपीपीएल को खाता खोलने

तक नहीं मिला, जबकि बोरों जैसे बड़े नेता की हार ने क्षेत्रीय दलों की कमजोरी प्रकट की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्वजीत दैमारी को मंत्रिमंडल में शामिल करने से बोडोलेंड क्षेत्र में बीजेपी का आधार और मजबूत होगा और तामुलपुर के लिए निर्माण, स्वास्थ्य और रोजगार योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। स्थानीय निवासी उम्मीद कर रहे हैं कि सीएम शर्मा शीघ्र इस आह्वान पर विचार कर हेलने जा रहे मंत्रिमंडल में विश्वजीत दैमारी को केबिनेट मंत्री के तौर पर शामिल करेंगे।

राजधानी के सिटी मांटेसरी स्कूल में दो दिवसीय अल्फा कार्यशाला का हुआ समापन छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के आधुनिक तरीकों एवं व्यक्ति विकास पर की गई चर्चा



तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी के सिटी मांटेसरी स्कूल में आयोजित दो दिवसीय अल्फा कार्यशाला का समापन हुआ जिसमें माजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी वतीर मुख्य अतिथि शामिल हुए 7 कार्यशाला में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के आधुनिक तरीकों एवं व्यक्ति विकास पर चर्चा की गई 7 कार्यशाला में विभिन्न राज्यों तथा प्रदेश भर के अन्य जिलों से पधारे शिक्षकों के मध्य राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका स्नेहिल पांडे ने भी शैक्षिक नवाचारों तथा समाजोन्मी वातावरण एवं बच्चों को एफ एल एन ,फ़ाउंडेशनल लर्निंग एवं न्यूमैटरी से जोड़ने के लिए

सकता है, अलग-अलग तौर तरीकों से पढ़न को आसान बनाया जा सकता है 7 बाल केंद्रित व्हट्सएप चैटबोट के माध्यम से ऑनर्देलिया से आए थॉमस एवं सीईओ निवसन ने भी अपनी बात रखी। उक्त कार्यक्रम में पार्थ साहसी सेन शर्मा, संयुक्त सचिव बेशिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश, एवं दिल्ली से पधारे शिक्षा मंत्रालय से कई गणगान्य अधिकारियों एवं माजपा प्रदेश अध्यक्ष तथा वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, बैसिक राज्य शिक्षा मंत्री, स्वतंत्र प्रभार सदीप सिंह तथा संस्थापिका भारती गांधी, सुनीता गांधी एवं कर्नल भार्गव मनोज तिवारी , उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं अल्फा कार्यक्रम से जुड़े शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

आकांक्षा पुरी बोलीं- खेसारी लाल यादव संग जोड़ी हिट

अश्वित पटेल के साथ ‘साड़ी फरमेश’ में दिखी केमिस्ट्री- कहा- ऐसा मौका पहले नहीं मिला

नए गाने ‘साड़ी फरमेश’ को लेकर एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी और एक्टर अश्वित पटेल इन दिनों चर्चा में हैं। इस गाने में दोनों की फेश और हॉट केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। गाने के विजुअल्स और म्यूजिक ने मिलकर एक अलग ही माहौल बना दिया है। दैनिक भास्कर से खास बातचीत में आकांक्षा पुरी ने गाने के अनुभव, अश्वित के साथ

अपनी टयूनिंग और शूटिंग के किस्से शेयर किए। इस दौरान उन्होंने खेसारी लाल यादव के साथ अपनी हिट जोड़ी और केमिस्ट्री पर भी खुलकर बात की है। ‘साड़ी फरमेश’ गाने को आप दोनों किस तरह का सॉन्ग मानते हैं और यह दर्शकों के मूड से कैसे कनेक्ट करता है? आकांक्षा पुरी- यह गाना ऐसा है जिसे हर मूड में सुना जा सकता है। आप

कहीं भी हों, किसी भी माहौल में हों, यह गाना फिट बैठता है। इसे सुनते ही वाइब बन जाती है। इस गाने के लिए आप दोनों का साथ आना कैसे हुआ और इसके पीछे की पूरी कहानी क्या है? आकांक्षा पुरी- प्रोड्यूसर की डिमांड थी कि लीड एक्टरस फिट और अच्छे लुक वाले हों। मैं पहले ही लॉक हो चुकी थी, लेकिन मेरे को-एक्टर का नाम नहीं बताया गया था। जब पता चला कि अश्वित पटेल हैं, तो मुझे यकीन हो गया कि गाना शानदार बनेगा। जब आपको यह गाना ऑफर हुआ तो आपको इसमें क्या खास लगा और आपने इसे तुरंत करने का फैसला क्यों लिया? अश्वित पटेल- जब मुझे अप्रोच किया गया, तब आकांक्षा पुरी पहले से ऑनबोर्ड थीं। गाना और उसका कॉन्सेप्ट मुझे बहुत पसंद आया। डायरेक्टर को पूरी क्लैरिटी थी, इसलिए यह मेरे लिए आसान फैसला था। शूटिंग के दौरान कोई ऐसा खास या मजेदार किस्सा जो आपको आज भी याद हो? अश्वित पटेल- मुझे शर्टलेस सीन करना था, इसलिए मैंने पूरा दिन कुछ नहीं खाया। वो शॉट रात 3 बजे हुआ और पैकअप 4 बजे। उसके बाद सुबह 6 बजे आकांक्षा पुरी ने मुझे पराटे खिलवाए वह मोमेंट यादगार था। क्या फिटनेस और लुक्स को लेकर आप दोनों के बीच कभी हेल्दी कॉम्पटीशन भी देखने को मिला? अश्वित पटेल- बहुत ज्यादा! आकांक्षा पुरी अपने एक्स को लेकर मुझे इंटिमिडेट करती थीं। क्या दर्शकों को आने वाले समय में आप दोनों की जोड़ी फिर से किसी प्रोजेक्ट में साथ देखने को मिलेगी? आकांक्षा पुरी- हमें साथ में कई ऑफर्स मिल रहे हैं, खासकर ओटीटी से। उम्मीद है कि जल्द ही हम फिर किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आएंगे। अश्वित पटेल- मुझे भी लगता है कि हम जल्द ही किसी फिल्म या प्रोजेक्ट में साथ काम करेंगे क्योंकि लोगों को हमारी केमिस्ट्री पसंद आ रही है। आपके और खेसारी लाल यादव की जोड़ी पहले से हिट रही है, ऐसे में इस नए गाने के बाद जो कमेंट्स आए कि आप उन्हें ‘घोखा’ दे रही हैं, इस पर आपका क्या कहना है? आकांक्षा पुरी- ऐसा बिल्कुल नहीं है। खेसारी लाल यादव बहुत मेहनती और शानदार आर्टिस्ट हैं, और उनके साथ मेरा कनेक्शन लोगों को पसंद आता है, खासकर हमारी डांसिंग एनर्जी मैच करती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं किसी और के साथ काम नहीं कर सकती। मैंने उनके साथ कम गाने किए हैं, लेकिन हमारी केमिस्ट्री स्ट्रॉन्ग है, इसलिए लोग उसे ज्यादा नोटिस करते हैं। उन्होंने खुद साड़ी फरमेश का रॉ फुटेज देखा था और हमें कॉम्प्लिमेंट किया कि हम

दोनों बहुत अच्छे और हॉट लग रहे हैं। मुझे उनके साथ काम करना हमेशा पसंद रहेगा। रियलिटी शोज को लेकर आपका क्या रुख है और क्या भविष्य में इसमें नजर आने की संभावना है? आकांक्षा पुरी- मैंने कुछ ऑफर्स टुकराए हैं क्योंकि हर शो मेरे लिए नहीं है। लेकिन अगर सही मौका मिला तो जरूर करूंगी। अश्वित पटेल- मैं रियलिटी शोज के लिए पूरी तरह ओपन हूँ, खासकर खतरों के खिलाड़ी जैसा शो करना चाहूंगा।



एक्टर गुलशन ग्रोवर ने बताया कि हाल ही में शत्रुघ्न सिन्हा ने उनसे कहा था कि फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना द्वारा निभाया गया रहमान डकैत का रोल उन्हें करना चाहिए था। दरअसल, गुलशन ग्रोवर इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज मटका किंग का प्रमोशन कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने इंडस्ट्री में पुराने ट्रेंड्स की वापसी पर बात की। इंडिया टुडे से बातचीत में ग्रोवर ने कहा कि सिनेमा एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां पुराने स्टाइल, किरदार और कहानी कहने के तरीके फिर से लौट रहे हैं। उनके मुताबिक, फैशन से लेकर फिल्मों तक, नॉस्टेलजिया का असर साफ दिख रहा है। एक्टर ने कहा कि आजकल बेल-बॉटम जैसे पुराने फैशन ट्रेंड वापस आ रहे हैं। साथ ही कई पुराने गाने रीमेक के रूप में लौट रहे हैं और परफॉर्मेंस-ड्रिवन सिनेमा भी फिर से देखने को मिल रहा है। गुलशन ग्रोवर ने श्राम लखनश,

शसदमाश और शहेरा फेरीश जैसी हिट फिल्मों में विलेन के किरदार निभाए हैं। ग्रोवर बोले- पब्लिक भी इस बात से सहमत है ग्रोवर ने हाल ही में हुए एक डिनर का जिक्र किया, जिसमें शत्रुघ्न सिन्हा, राकेश रोशन मौजूद थे। उन्होंने बताया कि डिनर में शत्रुघ्न ने फिल्म धुरंधर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें उसमें होना चाहिए था। ग्रोवर के मुताबिक, सिन्हा ने यह भी कहा कि अगर वह रहमान डकैत का रोल निभाते, तो और बेहतर होता। इस पर ग्रोवर ने सहमति जताई और कहा कि पब्लिक भी इस बात से सहमत है। अक्षय खन्ना द्वारा निभाया गया रहमान डकैत का किरदार पाकिस्तान के कुख्यात गैंगस्टर रहमान बलोच पर आधारित था। ग्रोवर ने धुरंधर का उदाहरण देते हुए कहा कि पुराने दौर के रोल और फिल्मी एलिमेंट्स आज फिर से फिल्मों में लौट रहे हैं। उनके अनुसार, उस दौर की कई खासियतें अब दोबारा दिखाई दे रही हैं।



पूर्व मिस यूनिवर्स और अभिनेत्री लारा दत्ता किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने 2003 से फिल्म शंदाजश से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था. 16 अप्रैल को एक्ट्रेस अपना 48वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं. आइए इस मौके पर जानते हैं

कि आखिर वो क्या सवाल था, जिसका जवाब देकर लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं. लारा दत्ता ने दिया इस सवाल का जवाब मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट करने वाली कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था. 16 अप्रैल को एक्ट्रेस अपना 48वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं. आइए इस मौके पर जानते हैं

कि आखिर वो क्या सवाल था, जिसका जवाब देकर लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं. लारा दत्ता ने दिया इस सवाल का जवाब मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट करने वाली कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था. 16 अप्रैल को एक्ट्रेस अपना 48वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं. आइए इस मौके पर जानते हैं

कि आखिर वो क्या सवाल था, जिसका जवाब देकर लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं. लारा दत्ता ने दिया इस सवाल का जवाब मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट करने वाली कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था. 16 अप्रैल को एक्ट्रेस अपना 48वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं. आइए इस मौके पर जानते हैं

कि आखिर वो क्या सवाल था, जिसका जवाब देकर लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं. लारा दत्ता ने दिया इस सवाल का जवाब मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट करने वाली कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था. 16 अप्रैल को एक्ट्रेस अपना 48वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं. आइए इस मौके पर जानते हैं

कि आखिर वो क्या सवाल था, जिसका जवाब देकर लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं. लारा दत्ता ने दिया इस सवाल का जवाब मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट करने वाली कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था. 16 अप्रैल को एक्ट्रेस अपना 48वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं. आइए इस मौके पर जानते हैं

एक कई बड़ी फिल्मों साइन की. इन सुपर हिट फिल्मों का हिस्सा रही लारा दत्ता साल 2002 में लारा दत्ता ने तमिल फिल्म साइन की, लेकिन ये फिल्म साल 2004 में रिलीज हुई. वहीं उसी बीच लारा को पहली हिंदी फिल्म साइन की. इन सुपर हिट फिल्मों का हिस्सा रही लारा दत्ता साल 2002 में लारा दत्ता ने तमिल फिल्म साइन की, लेकिन ये फिल्म साल 2004 में रिलीज हुई. वहीं उसी बीच लारा को पहली हिंदी फिल्म साइन की.

195वां मैच खेलकर तोड़ा सबसे बड़ा रिकॉर्ड, टीम को भी दिलाई जीत

जमशेदपुर एफसी के खिलाफ शनिवार को यहां बेंगलुरु एफसी की 1–0 की जीत के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्ट्राइकर सुनील छेत्री इंडियन सुपर लीग फुटबॉल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। जमशेदपुर एफसी ने मैच के बड़े हिस्से में दबदबा बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में बेंगलुरु एफसी के रयान विलियम्स द्वारा 38वें मिनट में किया गया गोल निर्णायक साबित हुआ। बेंगलुरु एफसी ने 41 वर्षीय छेत्री को शुरुआती एकादश में शामिल नहीं किया था, लेकिन वह 85वें मिनट में नामरयाल भूटिया की जगह मैदान पर आए और 195 मैचों के साथ आईएसएल इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। दिग्गज स्ट्राइकर ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। इस जीत के साथ बेंगलुरु एफसी 12 मैचों में 20 अंकों के साथ आईएसएल तालिका में चैथे स्थान पर पहुंच गई, जबकि जमशेदपुर एफसी 21 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई है। ईस्ट बंगाल एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट शीर्ष दो टीमों के साथ बराबरी पर है।

भारतीय महिला टीम का शानदार प्रदर्शन

दीपिका कुमारी, अकिता भगत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान चीन को ‘शूट-ऑफ’ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। रोमांचक अंतिम मुकाबले में भारत ने पहला सेट जीता, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण ‘शूट-ऑफ’ कराया गया। भारतीय तिकड़ी ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5–4 (28–26) से जीत दर्ज की। अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम ‘शूट-ऑफ’ तौर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। यह टूर्नामेंट में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले, विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने शनिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारत एक और पदक की दौड़ में बना हुआ है। सिमरनजीत कौर दिन में बाद में सेमीफाइनल में उतरंगी और विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत होगी।

फिन एलेन के तूफानी शतक से कोलकाता की थिराटश् जीत, दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर

इंडियन प्रीमियर लीग (एचएस) के 19वें सीजन में शुक्रवार को इंडन गार्डन्स के मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (ज़ज़र) ने शकरो या मरोश के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (कै) को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के हीरो रहे शईपैक्ट प्लेयरश् फिन एलेन, जिन्होंने महज 47 गेंदों में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। पहले गेंदबाजी करते हुए केकेआर ने दिल्ली को आठ विकेट पर 142 रन पर रोक दिया था। जवाब में जीत का लक्ष्य 14.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया जिसमें ‘इपैक्ट सब ‘ एलेन ने 47 गेंद में पांच चैंकों और दस छकों की मदद से नाबाद सौ रन बनाये। एलेन ने मुकेश कुमार को छक्का लगाकर तिहरे अंक को छुआ और टीम को जीत भी दिलाई। इस जीत के बाद केकेआर दस मैचों में नौ अंक लेकर सातवें स्थान पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली 11 मैचों में आठ अंक लेकर आठवें स्थान पर है और प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर है। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई दिल्ली के बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पाथुम निंसांका (29 गेंद में 50 रन) तथा सातवें नंबर पर उतरे आशुतोष शर्मा (28 गेंद में 39) को छोड़कर कोई टिककर नहीं खेल सके। बीच के ओवरों में एक बार छह ओवर से अधिक कोई बाउंड्री नहीं लगी और आखिरी ओवर में भी तीन ही रन बने। केकेआर के लिये नारायण ने चार ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया। वरुण चक्रवर्ती ने चार ओवर में 28 रन दिये जबकि अनुकूल रॉय ने 31 रन देकर दो विकेट चलाये। तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागू ने चार ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिये। केकेआर की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर में कप्तान अजिंक्य रहाणे दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गए। मिचेल स्टार्क की इनरविंग यॉर्कर पर एलेन ने स्ट्रेट शॉट खेला और गेंदबाज के हाथ से टकराकर गेंद स्टम्प पर चली गई जब रहाणे क्रीज से बाहर थे।

सीईओ ने दिए खर्चों में कटौती के सख्त निर्देश, बोले-कर्मचारियों के लिए छंटनी का कोई खतरा नहीं

नई दिल्ली। एअर इंडिया में वित्तीय संकट के बीच सीईओ ने खर्चों में कटौती के निर्देश दिए हैं। हालांकि, कर्मचारियों के लिए राहत की खबर है कि कोई छंटनी नहीं होगी। पूरी बिजनेस रिपोर्ट पढ़ें। देश के प्रमुख विमानन ब्रांड एअर इंडिया ने अपने मौजूदा वित्तीय संकट से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कंपनी प्रबंधन ने एक ओर जहां वित्तीय अनुशासन लागू करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं, वहीं दूसरी ओर अपने कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा का ठोस भरोसा भी दिलाया है। यह कदम बताता है कि एयरलाइन बिना अपनी नक्कीसों को प्रभाबित किए, खर्चों को कम करके अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। गैर-जरूरी खर्चों पर लगेंगी लगाम एअर इंडिया के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैपबेल विल्सन ने कंपनी में चल रहे वित्तीय संकट के मद्देनजर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे तत्काल प्रभाव से गैर-जरूरी खर्चों को निलंबित कर दें और भविष्य के अनावश्यक खर्चों को भी फिलहाल टाल दें। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए विल्सन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कंपनी का पूरा ध्यान अब किसी भी तरह की बर्बादी और धन के रिसाव को खत्म करने पर होगा चाहिए। यह कड़ा वित्तीय अनुशासन कंपनी को मौजूदा आर्थिक संकट से उबारने के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। नौकरीदार पर नहीं मंडरा हा कोई खतरा आमतौर पर खर्चों में कटौती और वित्तीय संकट की खबर के बीच कर्मचारियों में छंटनी का डर पैदा हो जाता है, लेकिन

एअर इंडिया के प्रबंधन ने इस डर को तुरंत दूर करने का प्रयास किया है। एअर इंडिया के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) रविंद्र कुमार जीपी ने कर्मचारियों के साथ आयोजित एक टाउनहॉल बैठक के दौरान स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए साफ तौर पर बताया कि कंपनी के भीतर फिलहाल छंटनी की कोई आशंका नहीं है। प्रबंधन के इस आधिकारिक बयान ने कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है और यह सुनिश्चित किया है कि कंपनी खर्चों में कटौती का दबाव अपनी टीम पर नहीं डालेगी। संकट के मुख्य कारणरू महंगा ईंधन और भू-राजनीतिक तनाव सीईओ कैपबेल विल्सन ने विमानन क्षेत्र के सामने आ रही बड़ी बाहरी चुनौतियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया।

अर्थ जगत

ईसीएलजीएस 5.0 को मंजूरी से किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ, जानिए उद्योग जगत की क्या राय

नई दिल्ली। सरकार ने एमएसएमसी क्षेत्र के लिए क्रेडिट गारंटी योजना को बढ़ाने का फैसला उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला साबित होगा। विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट्स, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, एगो बेस्ड इंडस्ट्री, फार्मा, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स सहित स्टार्टअप्स और सेवा क्षेत्र को इससे बड़ा लाभ मिलेगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की वजह से एमएसएमसी क्षेत्र के उभरते हुए उद्योग व्यापार पर बढ़ रहे तनाव को कम करने के लिए सरकार आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0

को बढ़ाया जाने की मंजूरी दी है। जिसको सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमसी क्षेत्र) ने इसको राहत भरा कदम बताया है। उद्योग और संगठनों का कहना है, सरकार ने एमएसएमसी क्षेत्र को युद्ध की वजह से हो रही परेशानियों को माना और उसके लिए क्रेडिट लाइन योजना का विस्तार किया यह महत्वपूर्ण है। इससे उद्योग को आवश्यक तरलता प्रदान करेगी साथ ही रोजगार, उत्पादन और आपूर्ति स्थूला को बनाए रखने में सहायक होगी। महाराष्ट्र उद्योग व व्यापार संघ के चैंबर के अध्यक्ष दीपेन अग्रवाल ने अमर उजाला डॉटकॉम से बातचीत में बताया कि सरकार द्वारा आपातकालीन ऋण गारंटी योजना

5.0 के फैसले का एमएसएमसी क्षेत्र स्वागत करता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की वजह से आयात-निर्यात आधारित कारोबार और निर्यातों पर निर्भर कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। जिनके सामने कारोबार बंद करने या फिर कम काम करने की समस्या बनी हुई उनके लिए यह सबसे बड़ी राहत लेकर आया है। अग्रवाल कहते हैं, इस योजना के तहत पात्र उधारकर्ता उपयोग की गई अधिकतम कार्गोशरील पूंजी के 20 प्रतिशत तक का ऋण ले सकते हैं। जिसकी सीमा अधिकतम 100 करोड़ रुपये है। यह आवश्यक तरलता तो प्रदान करने और रोजगार, उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने में बहुत

सहायक होगी। सरकार ऐसे समय में जब उद्योग सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इसक योजना को बढ़ाया यह दर्शाता है कि सरकार एमएसएमसी क्षेत्र पर नजर बनाए हुए है और उनकी परेशानियों को कम करने के लिए काम कर रही है। मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट्स, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग को मिलेगा लाभ महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्रीज एंड एग्री के अध्यक्ष ललित गांधी ने बताया कि सरकार ने एमएसएमसी क्षेत्र के लिए क्रेडिट गारंटी योजना को बढ़ाने का फैसला उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला साबित होगा।

विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट्स, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, एगो बेस्ड इंडस्ट्री, फार्मा, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स सहित स्टार्टअप्स और सेवा क्षेत्र को इससे बड़ा लाभ मिलेगा। बैंकों को स्पष्ट निर्देश की जरूरी गांधी कहते हैं, वैश्विक भू-राजनीतिक और व्यापारिक अनिश्चता के समय सरकार का यह फैसला उद्योग के लिए नई ऊर्जा और विश्वास पैदा करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल योजना की सीमा बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि अधिकतर बैंक आज भी 5 करोड़ रुपये के ऋण भारी कोलेटरल बिना मंजूर करने में काफी हिचकिचाहट दिखाते हैं

भारी कर्ज के बीच सरकार को खोलना होगा सातवें वेतन आयोग के लिए खजाना, समझें चुनौतियां

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के सामने सातवें वेतन आयोग को लागू करने, 37: के भारी कर्ज-जीएसडीपी अनुपात और अन्नपूर्णा भंडार जैसी खर्चीली योजनाओं के कारण बड़ा आर्थिक संकट खड़ा है। बंगाल के इन वित्तीय चुनौतियों, नई योजनाओं और सिंडिकेट राज की खामियों को आसान भाषा में समझने के लिए पढ़ें रिपोर्ट। पश्चिम बंगाल में 15 साल बाद ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन तो हो गया है, लेकिन नई सरकार के लिए बहाल की गई मखमली सेज नहीं बल्कि कार्टों के ताज जैसा है। 20 लाख करोड़ रुपये से बड़ी अर्थव्यवस्था वाले इस राज्य का सरकारी खजाना फिलहाल गहरे दबाव में है। सातवें वेतन आयोग का भारी-भरकम वादा, खाली तिजोरी और शत्रुअन्नपूर्णा भंडारश् जैसी लोकलुभावन योजनाएं राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य की अंतिम परीक्षा लेने वाली हैं। आइए, आसान सवाल-जवाब में समझते हैं कि बंगाल के आर्थिक हालात क्या हैं और नई सरकार के सामने कितनी बड़ी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। सवालरू सरकारी खजाने की वर्तमान हालत क्या है? जवाबरू बंगाल की आर्थिक स्थिति बेहद खराब

दौर से गुजर रही है। 16वें वित्त आयोग के मूल्यांकन के अनुसार, राज्य का शर्जन-ऋक अनुपातरश् (वमइज-जव-ऋक तंजपव) करीब 37: के खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। राज्य सरकार की कुल कमाई का लगभग तीन गुना यह है कि सरकार की कुल कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा सिर्फ कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और पुराने कर्जों का ब्याज चुकाने में ही खर्च हो जाता है। राज्य सरकार पुरानी पेंशन योजना का रही है जिससे आगे चक्कर खजाने पर देनदारी और बढ़ेगी। सवालरू भाजपा ने सातवें वेतन आयोग का वादा किया है, इसका खजाने पर कितना असर पड़ेगा? जवाबरू भाजपा ने नई सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सातवां वेतन आयोग लागू करने का वादा किया है। वर्तमान में राज्य सरकार छठे वेतन आयोग (व्त्त्। 2019) के ढांचे पर चल रही है और राज्य व केंद्र के कर्मचारियों व पेंशनरों के महंगाई भत्ते व महंगाई राहत (डीए-डीआर) के बीच 36: से 40: तक की भारी खाई है। सातवें वेतन आयोग को पूरी तरह लागू करने और सुग्रीम कोर्ट

के आदेशानुसार पुराने डीए-डीआर बकाये को चुकाने का मतलब है कि राज्य के खजाने पर हर साल हजारों करोड़ रुपये (अनुमानित 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये) का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यह नई सरकार के लिए एक बड़ा वित्तीय झटका साबित होगा। शुभेदु सरकार इससे कैसे निपटती है यह देखने वाली बात होगी। सवालरू लखड़ी भंडार से अन्नपूर्णा भंडार का सफर सरकारी खजाने को कैसे प्रभावित करेगा? जवाबरू पश्चिम बंगाल की पिछली ममता सरकार की शलवखी भंडारश योजना के तहत 2.21 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को हर महीने आर्थिक मदद दी जा रही थी, जिस पर राज्य का सालाना बजट 26,700 करोड़ रुपये था। भाजपा ने अपने चुनावी वादे में इसे निपटती है। योजना की नकद राशि को दोगुना करने का सीधा सा अर्थ है कि नई सरकार को हर साल 50,000 करोड़ रुपये से अधिक सिर्फ इस अकेली योजना के लिए जुटाने होंगे। विकास कार्यों के बजट को काटे बिना इतना पैसा जुटाना वित्तीय रूप से लगभग असंभव है।